RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com सोमवार, 24 अगस्त 2026 | वर्ष: 04, अंक: 154 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अंतरिक्ष क्षेत्र बना वैश्विक निवेशकों के आकर्षण का केंद्र: मोदी

भारत में तेजी से उभर रहा निजी अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के आकर्षण का केंद्र: मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर कहा, "भारत का तेजी से उभरता निजी अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के आकर्षण का केंद्र है। वहीं, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने चंद्रयान-3 की दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग, उससे मिले वैज्ञानिक डेटा और 140 करोड़ भारतीयों को प्रेरित करने को बड़ी उपलब्धि बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का बढ़ता वैश्विक प्रभाव, खासकर निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की तेजी से बढ़ती भूमिका ने देश को दुनिया भर के निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना दिया है। उन्होंने कहा कि भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर लगातार अपनी मौजूदगी मजबूत कर रहा है और यह देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम की बढ़ती ताकत में साफ दिखाई देता है। उन्होंने नई तकनीक विकसित कर रही जेनरेशन जेड की भी जमकर सराहना की। उन्होंने अपने भाषणों का एक वीडियो साझा करते हुए कहा, "मैंने अयोध्या में कहा था कि यह बदलाव के एक नए चक्र की शुरूआत है। इस नए चक्र में भारत वैश्विक व्यवस्था में अपनी अंतरिक्ष उपस्थिति का लगातार विस्तार कर रहा है और यह हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।" प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है और इस लक्ष्य को हासिल करने में अंतरिक्ष क्षेत्र की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक में भारत की बढ़ती क्षमता देश की व्यापक विकास यात्रा का अहम हिस्सा बन रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की उपलब्धियों की भी सराहना की।

भारत की निजी अंतरिक्ष प्रतिभा दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रही: मोदी

पीएम ने कहा,"भारत की निजी अंतरिक्ष प्रतिभा दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रही है। आज भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है।" उन्होंने कहा कि निजी कंपनियों और स्टार्टअप्स की बढ़ती भागीदारी से भारत के अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को नई गति मिली है। इससे देश में अंतरिक्ष से जुड़ी तकनीकों, नवाचार और निवेश के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इसरो की सफलता भारत की अगली पीढ़ी के वैज्ञानिकों को प्रेरित कर रही है।

इसरो की उपलब्धियों को देखकर देश के कई बच्चे यह सपना देखने लगे हैं कि बड़े होकर वे भी वैज्ञानिक बनेंगे। अंतरिक्ष अभियानों की सफलता ने बच्चों और युवाओं के बीच विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान के प्रति रुचि को बढ़ाने का काम किया है। इस अवसर पर इसरो अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने भारत को अंतरिक्ष क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए नवाचार, सहयोग और महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय करने पर जोर दिया।

आज हम नौ क्षेत्रों में दुनिया में नंबर एक स्थान पर पहुंच चुके हैं: डॉ. वी. नारायणन

अहमदाबाद में तीसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह के दौरान उन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की साधारण शुरूआत से लेकर आज की उपलब्धियों तक के सफर को भी याद किया। उन्होंने कहा, 'जब हमने देश का अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरू किया था, तब रॉकेट के पुर्जों को पुराने साइकिलों पर ले जाया जाता था। हमारे पास कोई दूसरा वाहन नहीं था।

उस बेहद साधारण शुरूआत से आगे बढ़ते हुए आज हम नौ क्षेत्रों में दुनिया में नंबर एक स्थान पर पहुंच चुके हैं।'

चंद्रयान-3 140 करोड़ भारतीयों को प्रेरित किया: डॉ. नारायणन

डॉ. नारायणन ने चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक उपलब्धि का जिक्र करते हुए कहा कि मिशन ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग की। उन्होंने स्पष्ट किया कि चंद्रयान-3 की उपलब्धि केवल चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित उतरने तक सीमित नहीं है। मिशन के दौरान बड़ी मात्रा में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आंकड़े हासिल किए गए हैं। उन्होंने बताया कि चंद्रयान-3 से प्राप्त पूरा डेटा दुनिया भर के वैज्ञानिक समुदाय के लिए उपलब्ध करा दिया गया है, ताकि वैज्ञानिक इन आंकड़ों का इस्तेमाल चंद्रमा से जुड़े शोध और नई खोजों के लिए कर सकें। इसरो अध्यक्ष ने कहा कि चंद्रयान-3 की प्रमुख उपलब्धियों में से एक यह भी है कि इस मिशन ने दुनिया भर में मौजूद 140 करोड़ भारतीयों को प्रेरित किया। भारत का प्राइवेट स्पेस टैलेंट पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहा है। आज वैश्विक निवेशकों के लिए भारत का स्पेस सेक्टर एक आकर्षक केन्द्र बन रहा है ।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रॉकेट का काउंटडाउन लाखों-लाख बच्चों को प्रेरित करता है।

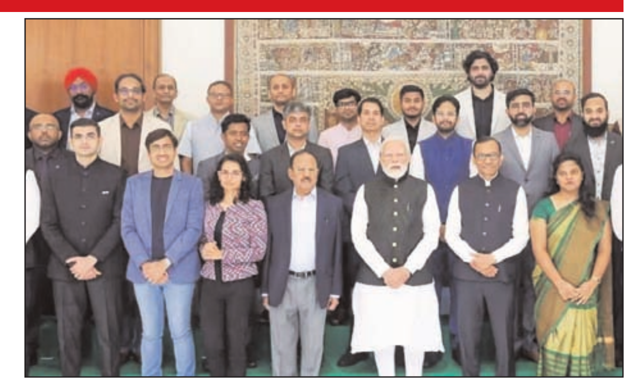

तिरंगे की शान और 140 करोड़ देशवासियों के सपना ही अंतरिक्ष में भारत का संकल्प: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर कहा कि तिरंगे की शान और 140 करोड़ देशवासियों के सपने ही अंतरिक्ष में भारत का संकल्प हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर जारी एक वीडियो में कहा, " मैंने अयोध्या में कहा था कि यह नए काल की शुरूआत है इस नए काल क्षेत्र में ग्लोबल ऑर्डर में भारतक अपना स्पेस लगातार बड़ा बना रहा है। हम सबने मिलकर 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया संकल्प को सिद्द तक पहुंचाने में स्पेस सेक्टर की भूमिका बहुत बड़ी है। आज ये जेन जी इंजीनियर, जेन जी डिजाइनर और जेन जी वैज्ञानिक नई नई टेक्नोलॉजी बना रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि प्रपल्शन सिस्ट कंपोजिट मटीरियल या सैटेलाइट प्लेटफॉर्म हों भारत का युवा आज उन क्षेत्रों में काम कर रहा है जिनकी कुछ साल पहले कल्पना भी संभव नहीं थी।

राहुल गांधी का महिला सशक्तीकरण का रुख पाखंडी, कांग्रेस दिशाहीन दल: देवेंद्र

नागपुर/एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर महिला सशक्तीकरण के मुद्दे पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी मंच से महिलाओं के अधिकार और पितृसत्ता के खिलाफ बोलते हैं, लेकिन संसद में महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करते हैं। फडणवीस ने कांग्रेस को दिशाहीन पार्टी बताते हुए भी निशाना साधा। सीएम फडणवीस ने रविवार को नागपुर में एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी के पुणे में छात्राओं के साथ हुए संवाद का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को पहले भाजपा नेता चित्रा वाघ के उस सवाल का जवाब देना चाहिए, जिसमें उनसे पूछा गया है कि वह महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन क्यों नहीं करते।

'बातें और काम एक-दूसरे से मेल नहीं खाते'

मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी पुणे आकर महिलाओं के अधिकारों और सशक्तीकरण की बात करते हैं, लेकिन जिस विधेयक के जरिए महिलाओं को संसद में 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिल सकता है, उसका विरोध करते हैं।

4

1

पुलिस मुठभेड़ में चोरी-नकबजनी का आरोपी घायल, तीन गिरफ्तार

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। थाना कोखराज क्षेत्र में चोरी और नकबजनी की लगातार घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को मुठभेड़ के दौरान घायल कर दिया, जबकि उसके तीन अन्य साथियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचा-कारतूस, पीली व सफेद धातु के आभूषण, 1.03 लाख रुपये नकद तथा वारदात में प्रयुक्त फॉर्च्यूनर वाहन बरामद किया है।
पुलिस के मुताबिक, कोखराज थाना क्षेत्र में पिछले कुछ समय में चोरी और नकबजनी की कई घटनाएं हुई थीं। इन मामलों में सात मुकदमे दर्ज किए गए थे। घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी सत्यनारायण ने आरोपियों की गिरफ्तारी और घटनाओं के शीघ्र अनावरण के लिए कई पुलिस टीमों का गठन किया था।
पुलिस टीमें सीसीटीवी फुटेज खंगालने, स्थानीय लोगों से पूछताछ और सर्विलांस के जरिए आरोपियों की तलाश में जुटी थीं। इसी क्रम में 22/23 अगस्त की रात कोखराज पुलिस और एसओजी टीम रोही चौराहे पर गश्त और चेकिंग कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर टीम ने एक संदिग्ध फॉर्च्यूनर को रोकने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, चालक ने वाहन को अचानक

मोड़कर भागने की कोशिश की। घेराबंदी किए जाने पर आरोपी वाहन से उतरकर भागने लगे।
इसी दौरान एक आरोपी ने पुलिस टीम पर कथित रूप से जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा आत्मसमर्पण के लिए कहने के बावजूद उसने दोबारा फायर किया। पुलिस के अनुसार, जवाबी कार्रवाई में आरोपी अलीशान के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस टीम ने मौके से तीन अन्य आरोपियों को भी पकड़ लिया।
घायल अलीशान के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए गए। इसके अलावा आरोपियों के पास से पीली और सफेद धातु के आभूषण, 1,03,000 रुपये नकद और फॉर्च्यूनर वाहन बरामद किया गया। घायल आरोपी को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय मंझनपुर भेजा गया है।
पूछताछ में खुलासाः पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पिछले करीब चार माह से अलग-अलग स्थानों पर रेकी करने के बाद रात में घरों के ताले तोड़कर और दीवार में सेंध लगाकर रुपये, आभूषण, कपड़े और अन्य कीमती सामान चोरी करते थे। पुलिस के मुताबिक, घटना के समय आरोपी चोरी के लिए रेकी करने और पूर्व में चोरी किए गए सामान को बेचने के लिए प्रयागराज जा रहे थे। आरोपियों ने यह भी बताया कि वे सुरक्षा के लिए तमंचा और कारतूस साथ रखते थे, ताकि पकड़े जाने पर फायरिंग कर भाग सकें।
पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा बरामद सामान के संबंध में अन्य घटनाओं से भी कड़ियां जोड़ी जा रही हैं।

वीवीआईपी/वीआईपी सुरक्षा को लेकर पुलिसकर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। वीवीआईपी/वीआईपी भ्रमण कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से रविवार को जनपद कौशाम्बी में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक, प्रशिक्षण एवं सुरक्षा तथा पुलिस महानिरीक्षक, सुरक्षा, उत्तर प्रदेश के निदेशों के क्रम में यह प्रशिक्षण दुर्गा भाभी सभागार, पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित हुआ।

प्रशिक्षण में जनपद के नामित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वीवीआईपी/वीआईपी भ्रमण के दौरान सादे वस्त्रों में की जाने वाली सुरक्षा ड्यूटी के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को सुरक्षा व्यवस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क नजर रखने, आपसी समन्वय बनाए रखने तथा आकस्मिक परिस्थितियों में प्रभावी कार्रवाई के बारे में विस्तार से प्रशिक्षित किया गया।
प्रशिक्षण क्षेत्राधिकारी सिराथू सतेन्द्र प्रसाद तिवारी, निरीक्षक नागरिक पुलिस रोशन लाल, उप निरीक्षक नागरिक पुलिस जगदीश प्रसाद एवं मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस धर्मेन्द्र कुमार द्वारा प्रदान किया गया।
अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वीवीआईपी/वीआईपी भ्रमण के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की दक्षता बढ़ाना और सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना है।

कांवड़ मार्ग का एसपी केके विश्नोई ने किया निरीक्षण

सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, पुलिसकर्मियों को दिए सतर्कता बरतने के निर्देश

बिजनौर। कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक केके विश्नोई ने थाना मंडावली क्षेत्र में कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा पुलिस बल की तैनाती का जायजा लिया।
एसपी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कांवड़ियों की सुरक्षा और सुगम आवागमन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि कांवड़ मार्ग पर यातायात व्यवस्था प्रभावी बनाए रखी जाए, ताकि शिवभक्तों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।
पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को कांवड़ मार्ग पर लगातार सतर्कता और निरंतर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिसकर्मियों से ड्यूटी के दौरान पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रहने को कहा, जिससे कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद बनी रहे और यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।
एसपी ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश
कांवड़ मार्ग पर यातायात व्यवस्था प्रभावी बनाई जाए
कांवड़ियों की सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिशित्र किया जाए
पुलिसकर्मियों को मुस्तैदी और सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश
निरंतर निगरानी और सतर्कता बनाए रखने पर जोन
कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने का विशेष ध्यान।

गांव-कस्बों में चौपाल लगाकर चलाया गया "बहू-बेटी को किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में परित्यक्ता, तलाकशुदा, निराश्रित तथा दहेज उत्पीड़न की शिकार महिलाओं एवं बालिकाओं के उत्थान, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण तथा नए आपराधिक कानूनों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रविवार को जनपद फतेहपुर में विशेष पहल *ह्लबहू-बेटी अभियानह्व व्यापक स्तर पर संचालित किया गया।
अभियान के अंतर्गत जनपद के समस्त थानों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रांतर्गत विभिन्न स्थानों पर चौपाल, जागरूकता सम्मेलन एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। मिशन शक्ति टीमों एवं एंटी रोमियो टीमों द्वारा गांवों एवं कस्बों में

महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं, आत्मनिर्भरता एवं सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं।
अभियान के दौरान परित्यक्ता, विधवा, तलाकशुदा, कामकाजी महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध आदि के संबंध में जानकारी देते हुए बचाव के उपाय एवं उपलब्ध कानूनी प्रावधानों से अवगत कराया गया।
इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण योजनाओं की जानकारी दी गई।
महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों–डायल 112, महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, जननी सुरक्षा 102, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एंबुलेंस सेवा 108 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930–के बारे में भी विस्तार से बताया गया। निवासी ग्राम-लौढियामाफी, थाना- रैपुरा, जनपद-चित्रकूट उम्र करीब 23 वर्ष को किया गया गिरफ्तार।

आत्महत्या के लिये उकसाने में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना धाता पुलिस द्वारा से संबंधित वांछित अभियुक्त सुभाष कुमार राजपूत पुत्र सन्तोष कुमार निवासी ग्राम-लौढियामाफी, थाना-रैपुरा, जनपद- चित्रकूट उम्र करीब 23 वर्ष को किया गया गिरफ्तार।

वारंटी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी एवं अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना गाजीपुर पुलिस द्वारा 60 आबकारी अधिनियम से सम्बन्धित 01 नफर वारण्टी अभियुक्त पंकज पुत्र अतिबल रैदास नि0 ग्राम झलिया थोक शाह थाना गाजीपुर जनपद फतेहपुर उम्र करीब 27 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

मंदिर में हुई चोरी का पुलिस ने कुछ ही घंटों में किया खुलासा

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर, हल्दौर थाना क्षेत्र की झालू पुलिस चौकी क्षेत्र के मंदिर में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने किया कुछ ही घंटो में खुलासा कर दिया। शिव मंदिर के प्रांगण से अभियुक्त चोर ने दान पात्र से लगभग 4 हजार रुपए चोरी कर लिए थे। नगर के लोगों ने चोरी की घटना की पुलिस से शिकायत करते हुए जल्द से जल्द चोरी की घटना का खुलासा करते हुए चोर को पकड़ने की मांग की थी।
प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्बा झालू के मोहल्ला चौधरियान में शिव मंदिर स्थित है, बीती रात्रि में शिव मंदिर के दान पत्र पर हाथ साफ करते हुए चोर ने दान पत्र से लगभग 4 हजार रुपए की चोरी कर ली थी, जिसकी शिकायत नगर के लोगों ने पुलिस से करते हुए जल्द से जल्द मंदिर में चोरी करने वाले चोर को पकड़ने की मांग की थी।
जिसके बाद हल्दौर थानाध्यक्ष

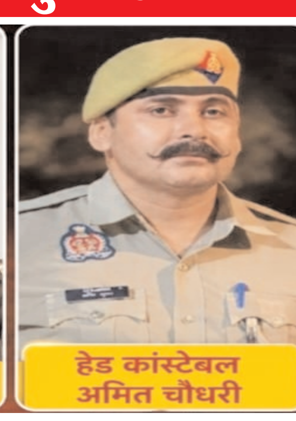

बिजेंद्र सिंह राठी के नेतृत्व मे एक पुलिस टीम गठित की गई, जिसमें चौकी प्रभारी रजत चौधरी, हैड कांस्टेबल अमित चौधरी और कांस्टेबल आकाश कुमार मौजूद थे। उपरोक्त टीम ने शिव मंदिर चोरी से दान पात्र को चुराने वाले चोर को पकड़ने के लिए जाल बिछाया, जिसके तहत उक्त टीम ने चोरी होने के मात्र कुछ ही घंटे बाद दान पात्र को चुराने वाले चोर को पकड़ने में सफलता हासिल की। पुलिस के द्वारा चोरी के कुछ ही घंटे बाद दान पात्र को चुराने वाले चोर को पकड़ लेने पर नगरवासियों ने पुलिस की प्रशंसा की तथा पुलिस अग्रिम कार्यवाही में जुट गई। थानाध्यक्ष विजेंद्र सिंह राठी के नेतृत्व मे झालू चौकी प्रभारी रजत चौधरी हेड कांस्टेबल अमित चौधरी कांस्टेबल आकाश कुमार की इस कार्यवाही से अपराधी अंडरग्राउंड हो गए है ।
मुख्य आरक्षी अमित चौधरी की थाना कोतवाली शहर में तैनाती के दौरान मुथूट फाइनेंस में हुई लूट की घटना का खुलासा करने एवं 25,25 हजार रुपए के इनामी बदमाशो को मुठभेड़ मे पकड़ने मे भी पुलिस की कसौटी पर खरा उतरने का कार्य किया था । इसी क्रम में झालू चौकी पर अपनी तैनाती के दौरान वर्ष 2024 में गांव खारी में कब्र खोदकर काजी की गर्दन निकालने वाले अभियुक्तों को पकड़ने में भी मुख्य आरक्षी का अहम योगदान रहा था। जिसके उपरांत मुख्य आरक्षी को तत्कालीन पूर्व मे जिले में रहे कई पुलिस अधीक्षको द्वारा पुरस्कृत भी किया गया है। वहीं अब हल्दौर थाने की झालू चौकी पर अपनी तैनाती के दौरान अपने फर्ज को ईमानदारी पुलिस के प्रति वफादारी और अपनी निष्पक्षता कार्यशैली के कारण थाना क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाने में सफलता प्राप्त की है।

बारावफात के दृष्टिगत पीस कमेटी मीटिंग एवं जुलूस रूट का भ्रमण

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। रविवार को बारावफात को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी मंझनपुर द्वारा थाना करारी पर संभ्रांत व्यक्तियों एवं धर्मगुरुओं के साथ पीस कमेटी मीटिंग की गई।

बैठक में पर्व के दौरान आपसी सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने, प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की गई।
इसके उपरांत बारा वफात जुलूस के निर्धारित रूट, संवेदनशील स्थलों एवं मंदिर स्थलों का भ्रमण कर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया गया तथा संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

युवा उद्यमियों को नेटवर्किंग और बिजनेस एक्सचेंज से जोड़ने पर जोर

बरेली। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) बरेली चैप्टर के यंग एंटरप्रेन्योर सेल (आईवाईसी) की वर्ष 2026-27 की पहली बैठक रविवार रात को होटल ओबराय आनंद में आयोजित हुई। बैठक में युवा उद्यमियों को आपसी नेटवर्किंग, बिजनेस एक्सचेंज, सहयोग और नए व्यापारिक अवसरों से जोड़ने पर विस्तार से मंथन किया गया। आईवाईसी कैप्टन आदित्य प्रकाश अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने युवा उद्यमियों को उद्योग जगत में आगे बढ़ने के लिए अनुभव और संसाधन साझा करने की आवश्यकता पर जोर दिया।
बैठक का शुभारंभ आईआईए बरेली चैप्टर के चेयरमैन शेखर अग्रवाल ने किया। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान औद्योगिक और व्यावसायिक परिवेश में युवा उद्यमी नवाचार, तकनीक और नए विचारों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आईवाईसी का उद्देश्य युवा उद्यमियों को ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपने अनुभव साझा करने के साथ नए व्यावसायिक अवसरों की पहचान कर सकें और आपसी सहयोग को बढ़ावा दे सकें।
बैठक का संचालन आईआईए बरेली चैप्टर के सचिव धनंजय विक्रम सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल रहे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नीरज गोयल और राष्ट्रीय सचिव मयूर धीरवानी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी से युवा उद्यमियों का उत्साह बढ़ा।
आईवाईसी कैप्टन आदित्य प्रकाश अग्रवाल, वाइस कैप्टन शार्दुल शंखधर और कोषाध्यक्ष हर्षित गोयल ने वर्ष 2026-27 की प्रस्तावित कार्ययोजना और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसमें बिजनेस नेटवर्किंग, बिजनेस एक्सचेंज, आपसी सहयोग, ज्ञान एवं अनुभव साझा करने, नए बाजारों की तलाश और उद्योग जगत में मजबूत संपर्क विकसित करने को प्राथमिकता देने की बात कही गई।
बैठक में युवा उद्यमियों के सामने आने वाली व्यावसायिक चुनौतियों पर भी चर्चा हुई। नए बाजारों तक पहुंच बनाने, व्यापारिक सहयोग बढ़ाने, नेटवर्किंग को मजबूत करने और नए अवसरों के सृजन को लेकर सदस्यों ने अपने अनुभव और सुझाव साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि युवा उद्यमियों को एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने और आपसी सहयोग के जरिए आगे बढ़ने के लिए आईवाईसी प्रभावी मंच साबित हो सकता है।
इस दौरान कई नए सदस्यों का स्वागत किया गया। उन्हें आईआईए की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया गया। सदस्यों ने आने वाले वर्ष में आईवाईसी की गतिविधियों को अधिक व्यापक और प्रभावी बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।
बैठक में आईआईए चैप्टर चेयरमैन शेखर अग्रवाल, सचिव धनंजय विक्रम सिंह, कोषाध्यक्ष आशीष गुप्ता, राकेश धीरवानी, ऋषभ दीक्षित समेत अन्य पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। बैठक के सफल आयोजन पर सदस्यों ने आईवाईसी टीम को बधाई दी।

एआरटीओ कार्यालय में घूसखोरी के आरोपों की जांच तेज, बाबू गणेश दत्त निलंबित

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के एआरटीओ कार्यालय में रजिस्ट्रेशन के नाम पर कथित घूसखोरी के मामले में शनिवार को जांच के लिए उप परिवहन आयुक्त भीमसेन सिंह और एआरटीओ प्रशासन राघवेंद्र सिंह कार्यालय पहुंचे थे। अधिकारियों के पहुंचते ही कार्यालय में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों से मामले की जानकारी ली और दस्तावेजों की जांच की।
उप परिवहन आयुक्त भीमसेन सिंह ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक स्तर पर बाबू गणेश दत्त को रजिस्ट्रेशन पटल से हटाकर डिस्पैच पटल की जिम्मेदारी दी गई थी। इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई के लिए लिखापढ़ी कर शासन को भेजी जा रही है। वहीं दूसरी तरफ अपर परिवहन आयुक्त चित्रलेखा सिंह द्वारा शनिवार देर रात गणेश दत्त को निलंबित कर दिया गया। निलंबन के बाद उन्हें लखनऊ से संबद्ध किया गया है। वहीं, पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच अयोध्या के उप संभागीय परिवहन अधिकारी डीटीसी द्वितीय को सौंपी गई है। जांच अधिकारी मामले से जुड़े आरोपों और कार्यालय में हुए कथित लेनदेन की जांच करेंगे।इधर, शिकायतकर्ता विनय सिंह ने शनिवार को हुई कार्रवाई पर असंतोष जताया था। उन्होंने कहा था कि यदि बाबू गणेश दत्त के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो वह मंगलवार तक धरने पर बैठेंगे। विनय सिंह ने दावा किया कि जिले के कई मोटर मालिक एआरटीओ कार्यालय में कथित अनियमितताओं से परेशान हैं।अब गणेश दत्त के निलंबन और अयोध्या के एआरटीओ की जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं। रविवार को जानकारी लेने पर उपसभागीय परिवहन अधिकारी अजित सिंह ने बताया कि कल रात शासन स्तर से आरोपित बाबू को निलंबित किया गया है।जिसकी सूचना आज विभाग को प्राप्त हुई है। जिसकी सूचना जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन को प्रेषित कर दिया गया है।

थाने से पुलिस ने युवक को भगाया, की आत्महत्या

बांदा। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में प्रार्थना पत्र देने थाने गए युवक को पुलिस ने भगा दिया। इससे परेशान युवक ने नशे में कमरे के अंदर लोहे के छल्ले पर साड़ी से फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। मौत की खबर मिलते ही घरवालों में कोहराम मच गया। मृतक के पास से सोसाइड नोट भी बरामद हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।
अतर्राकस्बा के राजनगर निवासी ममेरे भाई प्राशू ने बताया कि उसके 23 वर्षीय फुफेरे भाई सत्यम गुप्ता पुत्र मिथलेश ने कमरे के अंदर छत के छल्ले पर साड़ी से फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। रविवार को सबेरे परिजनों ने देखा तो उसका शव फंदे पर लटक रहा था। परिजनों ने आनन-फानन शव को फंदे से नीचे उतार लिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के ममेरे भाई प्राशू ने बताया कि तलाश के दौरान उसके पास सोसाइड नोट भी बरामद हुआ है। सोसाइड नोट में लिखा था।

कप्तान के निर्देशन में हिस्ट्रीशीटरों का सघन सत्यापन एवं चेकिंग अभियान

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के निर्देशन में रविवार को जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से हिस्ट्रीशीटरों का सघन सत्यापन एवं चेकिंग अभियान चलाया गया।
अभियान के दौरान थाना प्रभारियों, हल्का प्रभारियों एवं संबंधित पुलिस टीमों द्वारा हिस्ट्रीशीटरों के निवास स्थान पर पहुंचकर उनकी वर्तमान स्थिति का सत्यापन किया गया। इस दौरान उनके वर्तमान निवास, परिवार एवं रोजगार/आय के साधनों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई तथा यह भी जांच की गई कि संबंधित व्यक्ति वर्तमान में किसी आपराधिक गतिविधि में संलिप्त तो नहीं है।
पुलिस टीमों द्वारा हिस्ट्रीशीटरों के जमानतदारों के संबंध में भी आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई तथा उनकी गतिविधियों पर

सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही क्षेत्र में उनकी सक्रियता एवं अन्य संदिग्ध व्यक्तियों से संपर्क के संबंध में भी जानकारी जुटाई गई।
चेकिंग के दौरान हिस्ट्रीशीटरों को स्पष्ट रूप से हिदायत दी गई कि वे भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में संलिप्त न हों तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस-प्रशासन का सहयोग करें।
पुलिस द्वारा उन्हें आगाह किया गया कि किसी भी आपराधिक गतिविधि में संलिप्तता अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास पाए जाने पर उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।
जनपद कौशाम्बी पुलिस द्वारा अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने, आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम एवं कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए हिस्ट्रीशीटरों एवं अन्य चिन्हित अपराधियों का सत्यापन, निगरानी एवं चेकिंग अभियान निरंतर जारी रखा जाएगा।

प्रयागराज पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 15 करोड़ की संपत्ति कुर्क

गिरोहबंद अभियुक्त मो. नब्बे उर्फ नईम की संपत्तियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई, न्यू राजधानी होटल भी शामिल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। संगठित अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रयागराज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गिरोहबंद अभियुक्त मो. नब्बे उर्फ नईम उर्फ नजमे आलम की करीब 15 करोड़ रुपये कीमत की अचल संपत्तियां कुर्क की हैं। पुलिस आयुक्त न्यायालय, कमिश्नरेट प्रयागराज ने उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 की धारा 14(1) के तहत 21 अगस्त 2026 को कुर्की का आदेश पारित किया।

पुलिस के अनुसार, थाना नवाबगंज में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 595/2022 में गिरोहबंद अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। विवेचना के दौरान सामने आया कि अभियुक्त ने कथित तौर पर भय और दबंगई के बल पर लोगों को डराकर अपराध जगत से अर्जित धन से संपत्तियां खरीदीं। इनमें कुछ संपत्तियां उसकी पत्नी तथा कथित बेनामी संव्यवहार के तहत रवि चौरसिया और निकट संबंधी इरम बानो के नाम दर्ज बताई गई हैं।

पुलिस द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट और साक्ष्यों पर सुनवाई के बाद पुलिस आयुक्त न्यायालय ने संबंधित संपत्तियों को अपराध से अर्जित धन से बनाई गई संपत्ति मानते हुए कुर्क करने का आदेश दिया। साथ ही प्रभारी निरीक्षक थाना नवाबगंज को प्रशासक नियुक्त किया गया है, ताकि कुर्क संपत्तियों पर कोई अनधिकृत कब्जा या अतिक्रमण न हो सके।

कुर्की कार्यवाही के दौरान शान्ति एवं व्यवस्था देखने वाली राजस्व एवं पुलिस टीम का विवरण

श्यामजीत प्रमिला सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव, बृजेश सिंह, तहसीलदार सोरांव, सतीश कुमार, प्रभारी निरीक्षक थाना होलागढ़, दीनदयाल सिंह, प्रभारी निरीक्षक थाना सोरांव, पंकज अवस्थी, प्रभारी निरीक्षक थाना नवाबगंज. नायब तहसीलदार नवाबगंज धीरज पटेल, उ0नि0 राजेन्द्र कुमार पाल, उ0नि0 सोनम कुमारी. उ0नि0 इन्द्रजीत यादव, उ0नि0 गिरीशचन्द्र मौर्या थाना सोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज।

1282.5 वर्गमीटर जमीन और निर्माण कुर्क

कुर्क की गई संपत्तियां मौजा मुहीउद्दीनपुर उपरहार, परगना नवाबगंज, तहसील सोरांव, प्रयागराज में स्थित हैं। इनमें आराजी संख्या 633 में 243 वर्गमीटर भूमि पर निर्मित न्यू राजधानी होटल, 199.5 वर्गमीटर और 450 वर्गमीटर के दो अन्य भूखंड, आराजी संख्या 620ख में 290 वर्गमीटर तथा आराजी संख्या 616 में 100 वर्गमीटर भूमि शामिल है।

इस प्रकार कुल पांच आराजियात में 1282.5 वर्गमीटर भूमि, जिसकी बाजारू कीमत करीब 15 करोड़ रुपये आंकी गई है, कुर्क की गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभियुक्त द्वारा अपराध जगत से अर्जित अन्य संपत्तियों की भी तलाश की जा रही है। जांच में सामने आने वाली अन्य संपत्तियों के संबंध में भी नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज के निर्देशन में, अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था और पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव के नेतृत्व में की गई।

फाफामऊ पुलिस द्वारा एक अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 2 बम बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त थरवई के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना फाफामऊ पुलिस टीम द्वारा रविवार को अभियुक्त मो0 इरफान उर्फ चुच्चू पुत्र मो0 हसीन निवासी ग्राम चन्दापुर मलाक हरहर थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना फाफामऊ क्षेत्रान्तर्गत बहोरिकपुर क्रासिंग के पास से 2 अवैध देशी बम के साथ गिरफ्तार किया गया ।

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम

व0उ0नि0 कम्बोद सिंह. उ0नि0 मो0हारून, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

बाग में शराब पीते सिपाही का वीडियो प्रसारित, निलंबित

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नवाबगंज थाने में तैनात सिपाही सिलेश कुमार का बाग में कुछ लोगों के साथ बैठकर शराब पीने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद उसे निलंबित कर दिया गया। सिपाही का एक अन्य वीडियो भी प्रसारित हुआ, जिसमें वह आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के साथ नजर आ रहा है। मामला संज्ञान में आने के बाद पुलिस अधिकारियों ने गोपनीय जांच कराई। जांच के आधार पर रविवार को सिपाही के खिलाफ कार्रवाई की गई।

शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो में नवाबगंज हाईवे के पास स्थित बाग में कुछ लोग बैठकर शराब पीते दिखाई दे रहे हैं। इनमें एक व्यक्ति को नवाबगंज थाने में तैनात सिपाही सिलेश कुमार बताया गया। इसके अलावा एक अन्य वीडियो में भी वह कुछ आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के साथ नजर आया।

वीडियो प्रसारित होने की जानकारी पुलिस अधिकारियों को हुई तो मामले की गोपनीय जांच कराई गई। जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद सिपाही को निलंबित कर दिया गया। इंस्पेक्टर नवाबगंज पंकज अवस्थी ने बताया कि प्रसारित वीडियो का संज्ञान लेकर जांच कराई गई थी। जांच के आधार पर सिपाही सिलेश कुमार को निलंबित किया गया है। उसके खिलाफ विभागीय जांच भी कराई जाएगी।

त्योहारों को लेकर पुलिस ने कसी कमर, जुलूस मार्गों का होगा भौतिक निरीक्षण

पुलिस आयुक्त ने की कानून-व्यवस्था की समीक्षा, बाजारों और धार्मिक स्थलों पर बढ़ेगी पुलिस की मौजूदगी

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। आगामी रक्षाबंधन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और बारावफात को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कमर कस ली है। रविवार को रिजर्व पुलिस लाइंस स्थित त्रिवेणी सभागार में पुलिस आयुक्त पीयूष मोर्डिया ने कानून-व्यवस्था और सुरक्षा तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जुलूस मार्गों का भौतिक निरीक्षण करने, संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने और सीसीटीवी व इंटरनेट मीडिया की लगातार निगरानी के निर्देश दिए।

गोष्ठी में कमिश्नरेट के राजपत्रित अधिकारी और विभिन्न शाखाओं के प्रभारी शामिल हुए। सभी थाना प्रभारी गूगल मीट के माध्यम से जुड़े। पुलिस आयुक्त ने कहा कि त्योहारों के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करें।

बारावफात और अन्य जुलूसों को लेकर थाना प्रभारियों को पूरे मार्ग का स्वयं निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। संभावित समस्याओं और संवेदनशील स्थानों को पहले से चिह्नित कर समाधान कराने को कहा गया है। जुलूस आयोजकों, अंजुमन कमेटियों और जिम्मेदार लोगों के साथ बैठक कर समन्वय स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए।

मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के साथ आवश्यकतानुसार पुलिस पिकेट और अतिरिक्त बल लगाने को कहा गया। जुलूस मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता पहले से जांचने और आपत्तिजनक पोस्टर अथवा सामग्री पर नजर रखने के निर्देश दिए गएपुलिस आयुक्त ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर लगातार निगरानी रखने को कहा। भ्रामक, आपत्तिजनक अथवा माहौल बिगाड़ने वाली पोस्ट सामने आने पर तत्काल संज्ञान लेकर विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। असामाजिक और शरारती तत्वों की गतिविधियों पर भी पहले से नजर रखने को कहा गया।

मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था की होगी समीक्षा

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर प्रमुख मंदिरों, धार्मिक स्थलों और आयोजन स्थलों का समय से निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था पूरी करने को कहा गया। आयोजन समितियों से कार्यक्रम के समय, संभावित भीड़ और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर भी नजर

बाढ़ प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार पुलिस बल लगाने के साथ राहत व आश्रय स्थलों पर रह रहे लोगों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। राहत और बचाव कार्यों के दौरान प्रशासनिक विभागों से समन्वय बनाकर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

अनधिकृत हूटर-सायरन पर होगी कार्रवाई

पुलिस आयुक्त ने निजी वाहनों में अनधिकृत हूटर और सायरन के इस्तेमाल पर कार्रवाई के निर्देश दिए। थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में कार एसेसरीज विक्रेताओं से संपर्क कर ऐसे उपकरणों की अवैध बिक्री और फिटिंग रोकने को कहा गया। निजी बस और ई-रिक्शा चालकों का सत्यापन कराने तथा ई-रिक्शा पर मालिक या चालक का नाम और मोबाइल नंबर अंकित कराने के निर्देश भी दिए गए।

लंबित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण जनशिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के साथ महिला संबंधी मामलों में संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए गए। पासपोर्ट, चरित्र और नौकरी से जुड़े सत्यापन लंबित नहीं रखने को कहा गया। घटनास्थल की वीडियोग्राफी, डिजिटल साक्ष्य और ई-साक्ष्य की प्रक्रिया समय से पूरी करने तथा 60 और 90 दिन से लंबित विवेचनाओं की प्राथमिकता के आधार पर समीक्षा कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए।

वांछित और हिस्ट्रीशीटरों पर नजर

वांछित और वारंटी अभियुक्तों के खिलाफ अभियान चलाने, हिस्ट्रीशीटरों का नियमित सत्यापन करने और अपराधी व असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने को कहा गया। पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों से त्योहारों की तैयारियों का स्वयं पर्यवेक्षण करने और आमजन, आयोजकों तथा संभ्रांत नागरिकों से लगातार संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए।

बाजारों में बढ़ेगी फुट पेट्रोलिंग

रक्षाबंधन के दौरान प्रमुख बाजारों, व्यावसायिक क्षेत्रों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। महिलाओं की अधिक आवाजाही वाले स्थानों पर चेन स्नैचिंग समेत अन्य घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरती जाएगी। बाजारों और प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के साथ अतिक्रमण के खिलाफ संबंधित विभागों के सहयोग से कार्रवाई होगी। पार्कों और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर फुट पेट्रोलिंग बढ़ाने तथा यूपी-112 की त्वरित रिस्पांस व्यवस्था प्रभावी रखने के निर्देश दिए गए।

इफको कार्डेट में चार दिवसीय फल संरक्षण एवं खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

मौजी लाल रावत
सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। विभिन्न राज्यों के 10 हिंदी भाषी राज्य उत्तर प्रदेश उत्तराखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड ,मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा एवं महाराष्ट्र के के 51 कृषकों हेतु आयोजित इफको चार दिवसीय फल संरक्षण एवं खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम का रविवार को समापन कोरडेट, मोतीलाल नेहरू फारमर्स ट्रेंनिंग इंस्टीट्यूट , इफको,फूलपुर प्रयागराज में हुआ। कोरडेट प्रधानाचार्य डॉ. विवेक दीक्षित ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को फल संरक्षण एवं खाद्य संस्करण से संबंधित तकनीकियों को विशेषज्ञों द्वारा बताया गया। जिसमें आंवला मुरब्बा , आंवला जूस, आवाला लड्डू बर्फी व अचार बनाने की तकनीक एवं शहद उत्पादन की जानकारी श्री वीरेंद्र सिंह प्रभारी मौन पालन के द्वारा दी गई । डा. हेमलता पंत, सहायक प्रोफेसर सीएमपी डिग्री कॉलेज प्रयागराज द्वारा मशरूम उत्पादन एवं मशरुम के विभिन्न प्रसंस्कृत उत्पादों के निर्माण की जानकारी दी गई। इसी क्रम में श्री रवि प्रकाश मौर्य संस्थापक ब्लैक क्रॉप्स एफपीओ प्रयागराज के द्वारा विभिन्न प्रकार की काली फसले जैसे काला गेहूं , काली आलू, काली अदरक से विभिन्न उत्पाद जैसे दलिया, बिस्किट, आदि के निर्माण एवं विपणन संबंधी जानकारी दी गई। कॉर्डेट की वरिष्ठ अधिकारी श्रीमती सविता शुक्ला के द्वारा फल संरक्षण एवं खाद्य प्रसंस्करण संबंधी उत्पादों के चयन एवं विपणन की तकनीकी जानकारी दी गई। डॉ अनुराधा राय, प्रभारी जैव उर्वरक इकाई के द्वारा गुणवत्तापूर्ण एवं स्वस्थ उत्पादन के लिए जैव उर्वरकों के प्रयोग की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई गई। प्रधानाचार्य डॉ विवेक दीक्षित ने सभी कृषकों से मृदा परीक्षण आधार पर संतुलित उर्वरक प्रयोग, नैनो उर्वरकों के साथ-साथ जैव उर्वरकों के प्रयोग की अपील की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कृषकों को कारडेट की विभिन्न इकाइयों एवं इफको नैनो संयंत्र का भ्रमण भी कराया गया, जिससे उनके नैनो उर्वरक प्रयोग संबंधी ज्ञान में वृद्धि हुई।

छिनैती के मोबाइल व तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जार्जटाउन पुलिस ने रविवार को छिनैती के एक मामले में 24 वर्षीय अभिषेक सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उसे सीएमपी डॉट पुल के पास छीतपुर इलाके से दबोचा गया। उसके कब्जे से छिनैती का एक एंड्रॉयड मोबाइल, .315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपी मूल रूप से आगरा के राजा की मंडी का रहने वाला है और कालिंदीपुरम में किराये पर रह रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी पर पहले से कोतवाली थाने में भी एक आपराधिक मुकदमा दर्ज है।

शंकरगढ़: शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं त्यौहार -सुशील दुबे

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आगामी बारावफात त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड पर है।

रविवार को शंकरगढ़ थाना परिसर में थानाध्यक्ष सुशील कुमार दुबे की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई।बैठक में पुलिस अधिकारियों के साथ क्षेत्र के संभ्रांत नागरिक, व्यापारी, सभासद और जुलूस आयोजक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

बैठक में थाना प्रभारी ने दिए सख्त निर्देश

जुलूस अपने निर्धारित रूट से ही निकाला जाएगा।संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहेगी।त्योहार की आड़ में माहौल बिगाड़ने वाले अराजक तत्वों और हिस्ट्रीशीटरों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी। गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई होगी।आयोजकों से जुलूस के दौरान पर्याप्त संख्या में वॉलेंटियर तैनात करने की अपील की गई।

ऑटो चालकों और दुकानदारों को चेतावनी

बैठक में थाना प्रभारी ने कहा कि सभी ऑटो रिक्शा के आगे-पीछे वाहन मालिक, चालक का नाम और मोबाइल नंबर लिखना अनिवार्य है। नियम तोड़ने वालों पर चालान और कार्रवाई होगी।वहीं सदर बाजार में सड़क की पटरी पर दुकान का सामान लगाकर जाम लगाने वाले व्यापारियों को एक सप्ताह के भीतर अतिक्रमण हटाने का अल्टीमेटम दिया गया है। इसके बाद विधिक कार्रवाई तय है।

पैतृक संपत्ति पर कब्जे के विवाद में इविवि प्रोफेसर से मारपीट, छह पर एफआईआर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। कर्नलगंज में पैतृक संपत्ति पर कब्जे के विवाद को लेकर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर डॉ. दिनेश चंद लाल और उनके साथियों से मारपीट का मामला सामने आया है। प्रोफेसर की तहरीर पर कर्नलगंज पुलिस ने ललिता देवी, उनके बेटे सिद्धांत समेत छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

एफआईआर के मुताबिक, डॉ. दिनेश चंद लाल का आरोप है कि कर्नलगंज स्थित उनकी पैतृक संपत्ति के एक हिस्से पर ललिता देवी और उनके सहयोगियों ने कब्जा कर रखा है। इसी को लेकर वह अपने साथ मौजूद छात्रों और सहयोगियों के साथ वहां पहुंचे थे। आरोप है कि बातचीत के दौरान ललिता देवी, उनके बेटे सिद्धांत समेत अन्य लोगों ने गालीगलौज शुरू कर दी और मारपीट करने लगे।

आरोप है कि हमलावरों ने ईंट लेकर उन्हें दौड़ाया और ईंट से प्रहार किया, जिससे उन्हें चोट आई। घटना का वीडियो भी प्रोफेसर ने पुलिस को उपलब्ध कराया है। कर्नलगंज थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

बरेली जंक्शन पर खान-पान और पेयजल व्यवस्थाओं की जांच, दो वेंडरों पर जुमार्ना

बरेली। **यात्रियों को स्वच्छ,** गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित खान-पान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रविवार को बरेली जंक्शन रेलवे स्टेशन पर खान-पान और पेयजल व्यवस्थाओं की जांच की गई। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल की ओर से किए गए संयुक्त निरीक्षण में खान-पान ट्रॉली में साफ-सफाई की व्यवस्था मानकों के अनुरूप नहीं मिली। इस पर संबंधित दो इकाइयों के संचालकों पर एक-एक हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव के निर्देश पर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और मुख्य वाणिज्य निरीक्षक ने स्टेशन का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान प्लेटफॉर्म नंबर दो स्थित एम/एस वेंडर्स को-ऑपरेटिव सोसाइटी और अशफाक उल्ला खान-पान ट्रॉली की जांच की गई।

निरीक्षण में वेंडरों के पहचान पत्र, खाद्य लाइसेंस, खाद्य पदार्थ तैयार और बेचने वाले कर्मचारियों के मेडिकल प्रमाण-पत्र, उपलब्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ, रेट लिस्ट और खान-पान क्षेत्र की स्वच्छता की स्थिति देखी गई। अधिकारियों के अनुसार मेडिकल प्रमाण-पत्र, पहचान पत्र और खाद्य लाइसेंस सही पाए गए। रेट लिस्ट भी निर्धारित स्थान पर प्रदर्शित मिली। हालांकि खान-पान ट्रॉली में साफ-सफाई अपेक्षित स्तर की नहीं थी। इस पर नियमानुसार संबंधित वेंडर और यूनिट संचालकों पर एक-एक हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

निरीक्षण के दौरान यात्रियों को उपलब्ध कराए जाने वाले जनता खाना का नमूना भी लिया गया। इसे गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। इसके अलावा पेयजल की गुणवत्ता जांचने के लिए ई-कोलाई परीक्षण के लिए प्लेटफॉर्म नंबर एक के वाटर बूथ नंबर तीन और प्लेटफॉर्म नंबर दो के वाटर बूथ नंबर दो से पानी के नमूने लिए गए हैं।

जौनपुर में 24 अगस्त को कक्षा 1 से 8 तक के सभी विद्यालय बंद

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में जिले में लगातार हो रही अत्यधिक बारिश और जलभराव को देखते हुए जिलाधिकारी के आदेश पर 24 अगस्त सोमवार को कक्षा 1 से 8 तक के सभी विद्यालयों में शिक्षण कार्य स्थगित रहेगा। इस संबंध में रविवार देर रात जानकारी देते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर कुमार ने बताया कि जिले के सभी परिषदीय, मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई और उत्तर प्रदेश बोर्ड से संचालित विद्यालय 24 अगस्त को बंद रहेंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दौरान विद्यार्थी विद्यालय नहीं आएंगे। हालांकि, सभी शिक्षक विद्यालय में उपस्थित रहेंगे और विभागीय कार्यों का निस्तारण करेंगे।

अवर अभियंता के पुत्र के अपहरण में तीन गिरफ्तार, फिरौती के लिए बनाया था बंधक

दस लाख रुपये की मांगी थी फिरौती, पिस्टल-तमंचा और कारतूस बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। अंदावा में कार शोरूम के बाहर से रेलवे के अवर अभियंता के पुत्र शुभम सिंह के अपहरण के मामले में धूमनगंज पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने युवक को जबरन कार में बैठाकर दस लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई और तमंचे के बट से हमला किया गया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से अवैध पिस्टल, तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं।

एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के चिरका मुंजाता गांजा निवासी शिवम सिंह रेलवे में अवर अभियंता हैं। उनका पुत्र शुभम सिंह 21 अगस्त की शाम अपने दोस्त के साथ अंदावा गया था। दोस्त को वाहन खरीदना था। इसी दौरान एक कार से पहुंचे कई लोगों ने शुभम को जबरन वाहन में बैठा लिया। आरोप है कि बदमाशों ने पहले के 1.42 लाख रुपये के बकाये का हवाला देते हुए रकम देने का दबाव बनाया। शुभम ने रुपये नहीं होने की बात कही तो

आरोपितों ने पिता को फोन कर आनलाइन रुपये मंगवाने को कहा। बदमाश शुभम को पीटते हुए कौशांबी की ओर ले गए। वहां काजीपुर, संदीपन घाट के पास एक व्यक्ति कार लेकर पहुंचा। शुभम को दूसरी कार में बैठाने के बाद आरोपित उसे धूमनगंज क्षेत्र में देर रात छोड़कर फरार हो गए। इस दौरान उसके पास मौजूद 21 हजार रुपये और सोने की जंजीर भी छीन ली गई।

घटना के बाद शुभम ने स्वजन को जानकारी दी। पिता ने झूंसी थाने में तहरीर देकर अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया और आरोपितों द्वारा दस लाख रुपये की फिरौती मांगने की जानकारी दी। इसके बाद धूमनगंज पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू की और तीन को गिरफ्तार कर लिया।

इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में शीबू उर्फ शुभम केसरवानी निवासी चकमुंडेरा, आलोक कुमार और विकास भारतीया उर्फ डिग्गल निवासी महिला ग्राम ट्यूबेल के पास, थाना धूमनगंज शामिल हैं। इनके पास से अवैध पिस्टल, तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में शुभम और मुख्य आरोपित के बीच पहले से जान-पहचान सामने आई है। करीब एक लाख रुपये के आनलाइन गेमिंग से जुड़े लेनदेन के विवाद की बात भी सामने आई है। आरोप है कि आरोपित आनलाइन गेमिंग के माध्यम से आइपीएल में सट्टा खिलाते हैं। इसी दौरान शुभम उनके संपर्क में आया था। पुलिस मामले में आरोपितों से पूछताछ कर अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

संपादकीय

मैदान मिले तो ओलंपिक तक उड़ान भर लें गांव की लड़कियां

राजस्थान के लूणकरणसर से करीब 20 किमी दूर बसे कुजटी गांव की 17 वर्षीय उर्मिला कबड्डी खेलना चाहती है। उसका सपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने और देश के लिए पदक जीतने का है। लेकिन उसके सामने सवाल यह नहीं है कि वह कितना बड़ा सपना देखती है, बल्कि यह है कि उस सपने को आगे बढ़ाने के लिए उसके पास कितनी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इस गांव में लड़कियों के लिए नियमित खेल मैदान नहीं है। स्कूल में मैदान जरूर है, लेकिन पढ़ाई और दूसरी गतिविधियों के बीच उर्मिला को अभ्यास के लिए बहुत कम समय मिल पाता है। घर लौटने के बाद घरेलू काम उसकी प्राथमिकता बन जाते हैं। ऐसे में खेल के लिए समय निकालना उसके लिए आसान नहीं है।

परिवार और समाज की सोच भी उसके रास्ते को आसान नहीं बनाती। उनके लिए उर्मिला का भविष्य शादी, घर-परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों से जुड़ा है। इसलिए उन्हें लगता है कि उसे खेल के बजाय घरेलू काम सीखने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। उर्मिला की कहानी केवल एक लड़की के सपने और संघर्ष की कहानी नहीं है। यह उस सवाल को सामने लाती है कि गांवों में लड़कियों को अपनी पसंद का खेल खेलने और उसमें आगे बढ़ने के लिए समान अवसर आखिर कितने मिलते हैं?

करीब 2500 की आबादी और लगभग 400 घरों वाले कुजटी गाँव में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। यहां की साक्षरता दर लगभग 56 प्रतिशत है। पुरुषों की साक्षरता दर 72 प्रतिशत है, जबकि महिलाओं की साक्षरता दर केवल 40 प्रतिशत है। यह अंतर केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है। शिक्षा, खेल और दूसरे अवसरों तक पहुंच में भी लड़कियों और लड़कों के बीच असमानता दिखाई देती है। लड़कों का मैदान में घंटों खेलना अक्सर सामान्य माना जाता है, जबकि लड़कियों के खेलते ही घर के काम, पढ़ाई, सुरक्षा और भविष्य को लेकर सवाल उठने लगते हैं।

उर्मिला के माता-पिता की सोच को केवल उनकी व्यक्तिगत सोच कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह उस सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा है जिसमें लड़कियों के भविष्य को बचपन से ही घरेलू जिम्मेदारियों के साथ जोड़ दिया जाता है। लड़की को घर का काम सीखना चाहिए, समय पर घर लौटना चाहिए और आगे चलकर परिवार संभालना चाहिए, यह अपेक्षा इतनी सामान्य बना दी गई है कि उसके अपने सपनों के लिए समय मांगना भी कई बार अतिरिक्त मांग जैसा लगने लगता है।

हाल ही में ग्लासगो में हुए 2026 राष्ट्रमंडल खेलों ने यह दिखाया है कि जब महिलाओं को खेल के अवसर और प्रशिक्षण मिलते हैं तो उनकी उपलब्धियां कितनी दूर तक जा सकती हैं। भारत ने इन खेलों में कुल 39 पदक जीते, जिनमें 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल हैं। इनमें आठ स्वर्ण अकेले महिला खिलाड़ियों ने ही जीता है। इन उपलब्धियों को केवल पदकों की संख्या के रूप में देखने के बजाय यह समझना जरूरी है कि खेल में महिलाओं की भागीदारी के लिए अवसरों का महत्व कितना बड़ा है।

ग्लासगो में अस्मिता डे का स्वर्ण विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। वह राष्ट्रमंडल खेलों में जूडो में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। उनकी सफलता यह बताती है कि किसी खेल में अवसर और प्रशिक्षण मिलने पर महिलाएं उन क्षेत्रों में भी इतिहास रच सकती हैं, जहां भारत की उपस्थिति पहले सीमित रही है। इन महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियों का मतलब यह नहीं है कि हर गांव की लड़की को ओलंपिक या राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतना ही चाहिए।

असली सवाल इससे पहले का है कि क्या उसे अपनी पसंद का खेल खेलने का अवसर मिला? क्या उसके पास अभ्यास के लिए मैदान है? क्या उसे प्रशिक्षण मिलता है?

सियासी चौराहे पर अखिलेश का 'PDA' प्रयोग

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश की राजनीति हमेशा से नए नारों, अनूठे सामाजिक गठबंधनों और चौंकाने वाले वैचारिक मोड़ों के लिए जानी जाती रही है। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक बार फिर अपने चर्चित राजनीतिक सूत्र ह्यढऊअह्ण की एक नई और भावनात्मक व्याख्या पेश की है। अगस्त 2026 के इस सियासी माहौल में, जब सभी दल भविष्य की रणनीतियों को धार देने में जुटे हैं, अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से घोषणा की कि ढऊअ का असली और मूल भावनात्मक सिद्धांत दरअसल ह्लप्रेम, दया और अपनापनह्व है। भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने तर्क दिया कि सत्ताधारी दल में पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को स्थान तो मिल सकता है, लेकिन सच्चा सम्मान नहीं मिल सकता, क्योंकि वहाँ इस भावनात्मक जुड़ाव की कमी है।

यह पहली बार नहीं है जब अखिलेश यादव ने अपने इस प्रिय नारे की री-ब्रांडिंग की है? अभी कुछ ही दिनों पहले, समाजवादी विचारक जनेश्वर मिश्र की जयंती के अवसर पर उन्होंने राजनीति के पंडितों को चौंकाते हुए कहा था कि ढऊअ में ह्यढऊह्ण का एक अर्थ ह्यपंडितह्ण भी है। उस समय उन्होंने ह्यढह्ण से पीड़ित और पंडित, ह्यऊह्ण से दलित और ह्यअह्ण से आधी आबादी (महिलाएं) तथा ह्यअच्छे अगड़ेह्ण को जोड़कर एक नया ह्यपंडित फॉमूर्लाह्ण या ह्यब्राह्मण कार्डह्ण खेलने का प्रयास किया था। राजनीति के एक बेहद सधे हुए और आक्रामक नारे को अचानक इस तरह के भावनात्मक और सर्ववर्ण-समावेशी आवरण में लपेटने की यह कोशिश सहज नहीं दिखती। यह बदलाव उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी के भीतर चल रहे गहरे वैचारिक मंथन और साथ ही एक बड़ी रणनीतिक बेचैनी को भी रेखांकित करता है।

इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए हमें उस मूल राजनीतिक संदर्भ को याद करना होगा जहाँ से ढऊअ का जन्म हुआ था। साल 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान अखिलेश यादव ने ह्यपिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के तौर पर ढऊअ का नारा उछाला था। यह नारा विशुद्ध रूप से जातिगत और धार्मिक पहचान पर आधारित एक ठोस सामाजिक ब्लॉक बनाने की कोशिश थी। इसने सपा के पारंपरिक यादव-मुस्लिम (-ट) समीकरण का दायरा बढ़ाकर गैर-यादव पिछड़ी जातियों को एक मंच पर लाने का काम किया था। लेकिन राजनीति कभी एक जगह ठहरती नहीं है। 2024 की सफलता के बाद जैसे ही पार्टी आगामी राजनीतिक चुनौतियों की ओर बढ़ी, अखिलेश यादव को शायद इस बात का अहसास हुआ कि सिर्फ जातिगत ध्रुवीकरण के सहारे सत्ता तक नहीं पहुँचा जा सकता।

इसके विपरीत, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजनीति हमेशा से जातियों के विभाजन से ऊपर उठकर सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र पर आधारित रही है। भाजपा ने बिना किसी भेदभाव के हर जाति, वर्ग और संप्रदाय को मुख्यधारा से जोड़ा है। उज्ज्वला योजना, राशन वितरण, पीएम आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसे लोक-कल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ बिना किसी जातिगत चश्मे के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचा है। यही कारण है कि अखिलेश यादव को अब अपनी केवल पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वाली संकीर्ण छवि से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है और वे भाजपा की इसी सर्वसमावेशी विकास नीति की नकल करने का प्रयास कर रहे हैं।

राजनीतिक नजरिए से देखें तो अखिलेश यादव का यह नया प्रयोग एक गंभीर वैचारिक अंतर्विरोध और राजनीतिक अवसरवाद को जन्म देता है।

आस्था का सम्मान, लेकिन गलत बातों पर सवाल जरूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

धर्म मनुष्य के जीवन में केवल पूजा-पद्धति या कर्मकांड का विषय नहीं है। वह उसकी आस्था, संस्कृति, नैतिकता, परंपरा और जीवन-दृष्टि से जुड़ा हुआ विषय है। धार्मिक ग्रंथों ने हजारों वर्षों से समाज को नैतिक मूल्यों, कर्तव्य, करुणा, संयम, सत्य और परोपकार का संदेश दिया है। यही कारण है कि करोड़ों लोग धार्मिक पुस्तकों को श्रद्धा के साथ पढ़ते और अपने जीवन में उनसे प्रेरणा लेते हैं। लेकिन श्रद्धा का अर्थ यह नहीं हो सकता कि किसी भी पुस्तक में लिखी प्रत्येक बात को बिना प्रश्न किए, बिना संदर्भ समझे और बिना तर्क की कसौटी पर परखे स्वीकार कर लिया जाए।

आज सबसे जरूरी प्रश्न यही है कि क्या धार्मिक पुस्तकों में लिखी हर बात को अक्षरशः सत्य मानना चाहिए? यदि किसी कथन में ऐतिहासिक परिस्थिति की छाप है, यदि वह किसी विशेष सामाजिक व्यवस्था को प्रतिबिंबित करता है, यदि उसका अर्थ आज के संदर्भ में अलग हो गया है या यदि किसी कथन की व्याख्या मनुष्य के बीच भेदभाव को बढ़ावा देती है, तो उस पर सवाल उठाना क्या धर्म-विरोध है? निश्चित रूप से नहीं। सवाल करना ज्ञान की पहली सीढ़ी है और स्वस्थ समाज की पहचान भी।

धर्म और आलोचनात्मक चिंतन को एक-दूसरे का विरोधी मानना एक बड़ी भूल है। आस्था व्यक्ति का निजी विश्वास हो सकती है, लेकिन जब किसी धार्मिक विचार की व्याख्या सार्वजनिक जीवन, कानून, शिक्षा, सामाजिक संबंधों या नागरिक अधिकारों को प्रभावित करने लगे, तब उस विचार पर सार्वजनिक विमर्श स्वाभाविक और आवश्यक हो जाता है। लोकतंत्र में किसी विचार को केवल इसलिए आलोचना से मुक्त नहीं किया जा सकता कि वह धार्मिक संदर्भ से आया है।

यहाँ एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगा–धर्म की आलोचना और धार्मिक व्यक्ति का अपमान अलग-अलग बातें हैं। किसी धार्मिक पुस्तक के किसी कथन, उसकी व्याख्या या उसके सामाजिक प्रभाव पर प्रश्न उठाना किसी धर्मावलंबी के सम्मान को ठेस पहुँचाने के उद्देश्य से नहीं होना चाहिए। आलोचना विचार की होनी चाहिए, व्यक्ति की नहीं। तर्क का जवाब तर्क से दिया जाना चाहिए, भावनात्मक आक्रोश से नहीं।

हमारे समाज में अक्सर यह प्रवृत्ति दिखाई देती है कि जब किसी धार्मिक ग्रंथ की किसी बात पर प्रश्न उठता है तो चर्चा का केंद्र उस प्रश्न का उत्तर देने के बजाय प्रश्न पूछने वाले की नीयत बन जाती है। उसे धर्म-विरोधी, परंपरा-विरोधी या समाज-विरोधी कह दिया जाता है। इससे संवाद बंद होता है और कट्टरता बढ़ती है। यदि किसी प्रश्न का उत्तर उपलब्ध है तो उसे शांतिपूर्वक सामने रखा जाना चाहिए। यदि किसी कथन की अलग-अलग व्याख्याएँ हैं तो उन पर चर्चा होनी चाहिए। और यदि कोई बात ऐतिहासिक संदर्भ में थी, तो उसके संदर्भ को समझाया जाना चाहिए।

धार्मिक ग्रंथों को उनके समय और परिस्थितियों से काटकर पढ़ना भी समस्या पैदा कर सकता है। हजारों वर्ष पहले का समाज आज के समाज जैसा नहीं था। उस समय की सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था, शिक्षा, विज्ञान, परिवार व्यवस्था और आर्थिक परिस्थितियाँ अलग थीं। इसलिए किसी प्राचीन कथन का अर्थ समझने के लिए उसके मूल संदर्भ, भाषा, प्रतीकों और तत्कालीन सामाजिक

परिस्थितियों को समझना आवश्यक है। आधुनिक समय में उसी कथन की शाब्दिक व्याख्या करने से कई बार ऐसी धारणाएँ पैदा हो सकती हैं जो मूल संदर्भ से बिल्कुल अलग हों।

इसीलिए धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन केवल श्रद्धा से नहीं, बल्कि ज्ञान, इतिहास, भाषा और दर्शन की दृष्टि से भी होना चाहिए। श्रद्धा मनुष्य को प्रेरणा देती है, जबकि विवेक उसे सही अर्थ समझने में सहायता करता है। दोनों का संतुलन समाज को अधिक परिपक्व बनाता है।

सबसे संवेदनशील विषय तब सामने आता है जब किसी धार्मिक कथन की व्याख्या के आधार पर स्त्री-पुरुष असमानता, जातिगत भेदभाव, अस्पृश्यता, हिंसा, सामाजिक बहिष्कार या किसी वर्ग के प्रति घृणा को उचित ठहराने का प्रयास किया जाता है। आधुनिक लोकतांत्रिक समाज की बुनियाद समानता, स्वतंत्रता, गरिमा और न्याय पर है। इसलिए कोई भी व्याख्या यदि मनुष्य की गरिमा को कम करती है तो उस पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

यहाँ संविधान की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में अलग-अलग धर्म, संप्रदाय, भाषाएँ और परंपराएँ साथ-साथ रहती हैं। हमारा सामाजिक जीवन किसी एक धार्मिक ग्रंथ के आधार पर नहीं, बल्कि संविधान द्वारा निर्धारित नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के आधार पर संचालित होता है। प्रत्येक नागरिक को अपनी धार्मिक आस्था का अधिकार है, लेकिन साथ ही दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता और समानता का सम्मान करना भी आवश्यक है।

इसलिए धार्मिक स्वतंत्रता और आलोचनात्मक चिंतन के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। किसी को अपनी आस्था रखने से रोका नहीं जाना चाहिए और किसी को अपनी आस्था के नाम पर दूसरे के अधिकारों का उल्लंघन करने की अनुमति भी नहीं दी जा सकती।

एक और चुनौती है–धार्मिक ग्रंथों की मनमानी व्याख्या। कई बार मूल पुस्तक से अधिक प्रभाव उसकी व्याख्या करने वालों का होता है। एक ही कथन की अलग-अलग विद्वान अलग व्याख्या करते हैं। कोई उसे प्रतीकात्मक मानता है, कोई ऐतिहासिक, कोई आध्यात्मिक और कोई शाब्दिक। ऐसे में यह कहना कि केवल एक व्याख्या ही अंतिम सत्य है, बौद्धिक रूप से उचित नहीं कहा जा सकता।

समाज में धार्मिक शिक्षा का उद्देश्य भी केवल यह नहीं होना चाहिए कि व्यक्ति क्या माने, बल्कि यह भी होना चाहिए कि वह क्यों माने। यदि बच्चे प्रश्न पूछेंगे तो उनकी आस्था समाप्त नहीं होगी; बल्कि संभव है कि उनकी समझ अधिक गहरी हो जाए। जिस विश्वास को प्रश्नों से डर लगता है, वह विश्वास कमजोर हो सकता है; लेकिन जो विश्वास प्रश्नों का सामना कर सकता है, वह अधिक परिपक्व और मजबूत बनता है।

आज डिजिटल युग में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो गया है। सोशल मीडिया पर धार्मिक पुस्तकों के नाम पर आधे-अधूरे उद्धरण, गलत अनुवाद और संदर्भ से काटे गए कथन तेजी से फैलते हैं। लोग कई बार मूल ग्रंथ देखे बिना ही किसी वायरल पोस्ट को सत्य मान लेते हैं। इससे धार्मिक विवाद पैदा होते हैं और सामाजिक तनाव बढ़ता है। इसलिए किसी कथन पर आपत्ति करने से पहले यह देखना आवश्यक है कि वह वास्तव में मूल ग्रंथ में है भी या नहीं, उसका सही अनुवाद क्या है और उसके आगे-पीछे का संदर्भ क्या है।

आलोचना करने वाले व्यक्ति की भी जिम्मेदारी है। यदि वह किसी धार्मिक पुस्तक के किसी कथन पर सवाल उठा रहा है तो उसे प्रमाण, संदर्भ और तर्क के साथ बात रखनी चाहिए। जानबूझकर गलत उद्धरण देना, किसी धर्म के अनुयायियों को अपमानित करना या धार्मिक भावनाओं को भड़काना आलोचनात्मक चिंतन नहीं है। वह केवल विवाद पैदा करना है।

इसी प्रकार धार्मिक विद्वानों की भी जिम्मेदारी है कि वे आलोचना को शत्रुता न समझें। समाज बदलता है, भाषा बदलती है और प्रश्न भी बदलते हैं। यदि कोई पुरानी व्याख्या आज के संदर्भ में समस्या पैदा करती है तो उस पर पुनर्विचार करना धर्म की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का संकेत हो सकता है।

धार्मिक परंपराओं में स्वयं आत्ममंथन की लंबी परंपरा रही है। संतों, दार्शनिकों और सुधारकों ने समय-समय पर रूढ़ियों पर प्रश्न उठाए। उन्होंने समाज को यह समझाने का प्रयास किया कि धर्म का मूल उद्देश्य मनुष्य को जोड़ना, नैतिक बनाना और उसके भीतर करुणा पैदा करना है, न कि मनुष्य को मनुष्य से अलग करना।

इस संदर्भ में हमें एक व्यापक सिद्धांत अपनाना चाहिए–जो बात मानवता, करुणा, सत्य, न्याय और समानता को मजबूत करती है, उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं होना चाहिए; और जो बात इन मूल्यों के विपरीत दिखाई दे, उस पर प्रश्न उठाने से डरना भी नहीं चाहिए।

यह दृष्टिकोण किसी एक धर्म तक सीमित नहीं होना चाहिए। यदि हम किसी एक धार्मिक परंपरा की पुस्तकों में लिखी बातों पर सवाल उठाने को स्वतंत्रता मानते हैं, तो यही स्वतंत्रता दूसरी धार्मिक परंपराओं के मामले में भी लागू होनी चाहिए। चयनात्मक आलोचना निष्पक्षता नहीं है। वास्तविक बौद्धिक स्वतंत्रता का अर्थ है कि सभी विचारों को समान तर्क की कसौटी पर परखा जाए।

यह भी समझना होगा कि धार्मिक पुस्तकें केवल ऐतिहासिक दस्तावेज नहीं हैं। वे करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ी हैं। इसलिए उनके बारे में बात करते समय भाषा में संयम आवश्यक है। कठोर प्रश्न पूछे जा सकते हैं, लेकिन अपमानजनक शब्दों के बिना। किसी विचार से असहमति जताई जा सकती है, लेकिन उसके अनुयायी को नीचा दिखाए बिना। यही सभ्य संवाद की पहचान है।

कश्मीर पर अमेरिकी सुर बदले: भारत का कद बढ़ा, पाक बेचैन

ललित गर्ग

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का 19 अगस्त 2026 को श्रीनगर में दिया गया यह बयान कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, सामान्य कूटनीतिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करने योग्य नहीं है। यह ऐसे समय आया है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए समीकरण बन रहे हैं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की निरन्तर सुधर रही सुरक्षा स्थिति की बात कही और अमेरिकी यात्रा संबंधी परामर्श पर पुनर्विचार के संकेत भी दिए। पाकिस्तान ने इस बयान पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब कर तीखा विरोध दर्ज कराया। इस पूरे घटनाक्रम को केवल कश्मीर के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में आ रहे व्यापक परिवर्तन, दक्षिण एशिया की बदलती सामरिक संरचना और पाकिस्तान की घटती कूटनीतिक प्रभावशीलता के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा।

अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। वाशिंगटन सामान्यतः भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है। इसलिए गोर का श्रीनगर में जाकर जम्मू-कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा कहना निश्चित रूप से भाषा के स्तर पर एक उल्लेखनीय परिवर्तन है। लेकिन इसे अमेरिका की पूरी कश्मीर नीति में तत्काल और औपचारिक परिवर्तन मानना भी जल्दबाजी होगी। किसी राजदूत का बयान और किसी सरकार की औपचारिक नीति में अंतर होता है। फिर भी कूटनीति में शब्दों का अपना महत्व होता है। विशेष रूप से तब, जब वही शब्द उस भूभाग में बोले जाएं जिसे पाकिस्तान दशकों से अंतरराष्ट्रीय विवाद के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। इस दृष्टि से गोर का बयान भारत के लिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है।

इस बयान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू-कश्मीर की बदलती जमीन से जुड़ा है। गोर ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए यात्रा संबंधी अमेरिकी परामर्श में कमी लाने की संभावना जताई है। इसका अर्थ यह है कि वाशिंगटन अब कश्मीर को केवल सुरक्षा संकट या आतंकवाद की दृष्टि से देखने के बजाय पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है।

यहीं से भारत-अमेरिका संबंधों की नई रोशनी दिखाई देती है। दोनों देशों के संबंध अब केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, आपूर्ति-शृंखला और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे विषयों ने भारत को अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार और शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी मौजूद हैं, फिर भी व्यापक सामरिक साझेदारी अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। हाल में अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा का उद्देश्य भी तनावों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना और व्यापार तथा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाना था।

इसलिए कश्मीर पर अमेरिकी भाषा को भारत-अमेरिका संबंधों के व्यापक पुनर्संतुलन का हिस्सा मानना अधिक तार्किक होगा। अमेरिका के लिए भारत अब केवल दक्षिण एशिया का एक बड़ा देश नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति-संतुलन का प्रमुख आधार है। भारत के लिए भी अमेरिका महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति के साथ पूर्ण निर्भरता के बजाय रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रखा है। यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य शक्तियों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखता है। कश्मीर के संदर्भ में यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए निश्चित रूप से असहज करने वाला है।

मायावती भी चुनावी मूड में, भतीजे को कमान, सतीश मिश्रा को नई जिम्मेदारी

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में अब छह माह का समय बचा है, इसको देखते हुए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने अभी से जमीन तैयार करनी शुरू कर दी है। पार्टी के भीतर बीते कुछ हफ्तों में जो संगठनात्मक फेरबदल हुए हैं, उनसे साफ संकेत मिलता है कि बसपा इस बार कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। एक तरफ मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को संगठन और चुनाव प्रचार की अगुवाई सौंपी है, तो दूसरी तरफ पार्टी के भरोसेमंद ब्राह्मण चेहरे सतीश चंद्र मिश्रा का कद और बढ़ा दिया गया है। यह दोहरी रणनीति बसपा के सामाजिक समीकरण और पारिवारिक उत्तराधिकार, दोनों मोर्चों को साधने की कोशिश मानी जा रही है।बसपा में उत्तराधिकार को लेकर पिछले कुछ वर्षों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। एक समय मायावती ने आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था, फिर विवादों के चलते उन्हें पार्टी पदों से हटाया भी गया। लेकिन विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही पार्टी ने उन्हें फिर से सक्रिय भूमिका में ला खड़ा किया है। अब आकाश आनंद राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर सक्रिय हैं और उन्हें प्रत्याशियों के चयन की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी अगुवाई में होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलनों में संभावित उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई जाएगी। इस नई भूमिका के तहत आकाश आनंद ने 10 अगस्त को हाथरस के सादाबाद से अपने अभियान की शुरूआत की। इसके बाद 25 अगस्त को गौतमबुद्ध नगर के जेवर में भी उनकी अध्यक्षता में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित होना तय है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, लखनऊ में हुई तीन दिवसीय बैठक के बाद यह फैसला लिया गया कि आकाश आनंद को अब यूपी और उत्तराखंड की राजनीति में सक्रिय भूमिका दी जाए, जबकि पहले उन्हें इन राज्यों की राजनीति से जानबूझकर दूर रखा गया था। पार्टी पदाधिकारियों का मानना है कि प्रचार अभियान की कमान संभालने से आकाश आनंद का सियासी कद और मजबूत होगा।

हालांकि मायावती ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि टिकट बंटवारे का अंतिम और सर्वोच्च फैसला सिर्फ वही लेंगी। इसमें आकाश आनंद की कोई निर्णायक भूमिका नहीं होगी। राजनीतिक हलकों में इस बयान को शक्ति-संतुलन बनाए रखने की एक सोची-समझी कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। मतलब साफ है कि प्रचार और संगठन की जिम्मेदारी भतीजे को, लेकिन असली सत्ता की डोर अभी भी मायावती के हाथ में ही रहेगी।

फुटपाथ पर दुकान, सड़क पर आदमी — फिर भी शहर स्मार्ट है!

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

किसी शहर की पहचान चौड़ी सड़कों और तेज वाहनों से नहीं, आम आदमी के आसान पैदल चलने से होती है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दिल्ली मास्टर प्लान-2047 में ह्यराइट टू वॉकह्ण का प्रस्ताव इसी अधिकार को केंद्र में लाता है। यह केवल फुटपाथ सुधार की योजना नहीं, बल्कि सड़क पर बढ़ते वाहन वर्चस्व को चुनौती है। सुरक्षित, निर्बाध, छायादार और सर्वसुलभ पैदल मार्गों का सिटीवाइड नेटवर्क, पैदल-केवल सड़कें, मल्टी-यूटिलिटी जोन और एक्टिव ट्रैवल एरिया इसकी प्रमुख कड़ियां हैं। व्यस्त बाजारों, धरोहर क्षेत्रों और चौबीस घंटे सक्रिय इलाकों को प्राथमिकता देकर पैदल यात्रियों को शहर की योजना के केंद्र में रखा गया है। यमुना और नालों के किनारे ग्रीनवे तथा पेलिकन क्रॉसिंग नेटवर्क को और सुरक्षित बनाएंगे। दिल्ली में यह पहल सफल होती है तो इसे राजधानी तक सीमित न रखकर देश के हर शहर की शहरी नीति में पैदल अधिकार को अनिवार्य जगह देनी चाहिए।

शहर की तरक्की का सबसे कमजोर सबूत उसका वह फुटपाथ है, जिस पर आदमी चल ही न सके। देश के अधिकांश शहरों में फुटपाथ हैं, लेकिन वे पैदल यात्री के हिस्से में नहीं आते। कहीं कारें उन पर खड़ी हैं, कहीं दुकानें और खोमचे फैल गए हैं, तो कहीं बिजली के खंभे और निर्माण सामग्री रास्ता रोकते हैं। बची-खुची जगह भी टूटी, ऊबड़-खाबड़ या बीच में खत्म हो जाती है, इसलिए पैदल यात्री को सड़क पर उतरना पड़ता है। बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए यह असुविधा नहीं, रोज का खतरा है। दिल्ली में औसत पैदल ट्रिप केवल 1.6

किलोमीटर है, जबकि गैर-मोटर चालित यात्राएं कुल यात्राओं का 42 प्रतिशत हैं। संदेश साफ है–लोग चलना चाहते हैं, शहर ने उनके कदमों की जगह छीन ली है। इसलिए ह्यराइट टू वॉकह्ण केवल दिल्ली का मुद्दा नहीं, हर भारतीय शहर की अनिवार्य शहरी नीति बननी चाहिए।

पैदल रास्ता केवल दो कदमों के बीच की खाली जगह नहीं, शहर के सार्वजनिक जीवन की पहली चौखट है। उसे सिर्फ सीमेंट की पट्टी मानना शहर को आधा देखना है। मल्टी-यूटिलिटी जोन इसी सोच को बदलने का रास्ता है। बैठने की जगह, पेयजल, शौचालय, बच्चों की देखभाल कक्ष, स्ट्रीट वेंडरों के लिए तय स्थान और साइकिल शेयरिंग जैसी सुविधाएं फुटपाथ को चलने की जगह से आगे बढ़ाकर जीवंत सार्वजनिक क्षेत्र बना सकती हैं। सार्वजनिक परिवहन से इसका सीधा जुड़ाव अंतिम मील की परेशानी भी घटाएगा। दिल्ली का यह मॉडल लखनऊ, भोपाल, जयपुर, इंदौर, पटना, पुणे, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद ही नहीं, छोटे कस्बों तक पहुंचना चाहिए। हर शहर अपनी जलवायु, भूगोल और जरूरत के हिसाब से रूप बदले, लेकिन नियम एक रहे–सड़क बनाते समय पैदल आदमी को सबसे आखिर में नहीं, सबसे पहले जगह मिले।

कागज पर योजना एक होती है, लेकिन जमीन पर उसके कई मालिक निकल आते हैं–यही पैदल रास्तों की सबसे बड़ी विडंबना है। दिल्ली में डीडीए, पीडब्ल्यूडी, एमसीडी और यातायात पुलिस जैसी कई एजेंसियां सड़क व्यवस्था से जुड़ी हैं। दूसरे शहरों में भी नगर निकाय, विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग और यातायात तंत्र की बंटी जिम्मेदारियां पैदल मार्ग को बे-सहारा छोड़ देती हैं। अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलती है, तस्वीरें छपती हैं, रास्ता खुलता है और कुछ ही समय बाद कब्जे फिर लौट आते हैं। इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर ह्यराइट टू वॉकह्ण के स्पष्ट मानक, एकल जवाबदेही, अलग बजट, कड़ा जुमार्ना और लगातार निगरानी जरूरी है। फुटपाथ बनाकर जिम्मेदारी खत्म नहीं होती; उसे बचाए रखना ही असली जिम्मेदारी है।

फुटपाथ की असली परीक्षा वहां शुरू होती है, जहां उसे सड़क पार करानी होती है। सुरक्षित क्रॉसिंग के बिना चौड़ा और सुंदर फुटपाथ भी पैदल यात्री को बीच रास्ते असहाय छोड़ देता है। इसलिए हर शहर में पर्याप्त चौड़ाई, सार्वभौमिक पहुंच, छायादार पेड़, रोशनी और सुरक्षित क्रॉसिंग अनिवार्य हों। पेलिकन क्रॉसिंग जैसे उपाय व्यस्त सड़कों पर पैदल यात्रियों को भरोसा दे सकते हैं।

बाढ़ प्रभावितों के लिए प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह सक्रिय, सीएम योगी के निर्देश पर राहत-बचाव कार्य तेज

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश में बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए योगी सरकार ने प्रशासनिक मशीनरी को पूरी तरह सक्रिय कर दिया है। राहत आयुक्त कार्यालय की 21 अगस्त की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में अब तक 19 जिले प्रभावित हुए हैं, जबकि 14 जिलों में 21 अगस्त को बाढ़ का प्रभाव दर्ज किया गया। प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों के साथ नावों, मोटर बोट, बचाव टीमों, मेडिकल टीमों और कम्युनिटी किचन की व्यवस्था की गई है।

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि अब तक 258 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, जिनमें 92 गांवों में आबादी और कृषि दोनों प्रभावित हैं। वहीं 27 गांवों में कटान, 75 गांवों में जलभराव से आबादी प्रभावित, 91 गांवों में केवल कृषि प्रभावित और 26 गांवों में बाढ़ से संपर्क मार्ग कटने की स्थिति दर्ज की गई है। वहीं 157 गांवों में राहत कार्य संचालित किया जा रहा है।

1.45 लाख से अधिक ग्रामीण आबादी प्रभावित

ग्रामीण क्षेत्र की करीब 1.45 लाख की आबादी बाढ़ और जलभराव से प्रभावित है। वहीं बाढ़ से निपटने के लिए प्रशासन ने शरणालयों और सुरक्षित स्थानों की व्यवस्था की है। 1,274 गांवों से संबंधित लोगों को बाढ़ शरणालयों तक पहुंचाए जाने, 1,905 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने और 13,611 लोगों के बाढ़ शरणालयों में रहने की व्यवस्था की जा चुकी है।

बाढ़ प्रभावित पशुओं के लिए भी व्यवस्था हुई

मानव आबादी के साथ पशुधन की सुरक्षा पर भी प्रशासन का जोर है। रिपोर्ट के अनुसार 15,561 पशु प्रभावित हुए हैं। इनके लिए पशु शिविर लगाए गए हैं और उपचार व टीकाकरण की व्यवस्था की गई है। 544 पशुओं के उपचार, 12,695 पशुओं के टीकाकरण और 22,636 क्विंटल भूसा वितरण किया गया है।

200 करोड़ का अनुदान दिया गया

बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रदेश में 17,428.01 हेक्टेयर क्षेत्रफल प्रभावित हुआ है। इसमें 8,452.88 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि, 3,903.16 हेक्टेयर बोया गया क्षेत्र और 62 हेक्टेयर कटान प्रभावित क्षेत्र है। फसल क्षति के लिए 200.31 करोड़ रुपये अनुदान दिया गया है।

राहत के लिए 1,599 नावें और 621 मोटरबोट

बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव और आवागमन के लिए बड़ी संख्या में संसाधन लगाए गए हैं। रिपोर्ट में 1,599 नावें, 621 मोटरबोट, 1,315 स्थानीय गोताखोर, 12 एनडीआरएफ टीमें, 9 एसडीआरएफ टीमें और 7 पीएसी टीमें लगाए जाने का आंकड़ा दिया गया है। साथ ही 6,032 खोज-बचाव वाहन भी दर्ज किए गए हैं।

1.28 करोड़ लीटर से अधिक पानी की व्यवस्था

राहत सामग्री के वितरण में भी प्रशासन की सक्रियता सामने आई है। 28,126 खाद्यान्न सामग्री पैकेट, 17,424 डिग्निटी किट, 22,883.5 मीटर तिरपाल, 1,28,576 लीटर पीने का पानी, 35,153 ओआरएस पैकेट और 69,834 क्लोरीन टैबलेट वितरित किए गए हैं। वहीं राहत एवं स्वास्थ्य मोर्चे पर 1,560 कम्युनिटी किचन/लंगर, 762 मेडिकल टीम, 544 उपचारित मानव, 566 एंटी-स्नेक वेनम की व्यवस्था हुई है।

प्रशिक्षित आपदा मित्र कर रहे मदद

बाढ़ प्रबंधन में स्थानीय स्तर पर भी व्यवस्था मजबूत की गई है। प्रदेश में 12,687 राहत चौपालें लगाई गई हैं। इसके अलावा 6,704 आपदा मित्रों को प्रशिक्षित किया गया है, जो लोगों को हर संभव मदद पहुंचाने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

पाक कला में स्वाद के साथ प्रस्तुति और रचनात्मकता जरूरी : चित्रांशी अग्रवाल

कानपुर।
खाना बनाने में स्वाद के साथ उसकी प्रस्तुति, रचनात्मकता, स्वच्छता और टीमवर्क का भी विशेष महत्व है। अलग-अलग त्योहारों की थीम पर तैयार किए गए व्यंजनों के जरिए प्रतिभागियों ने अपनी पाक कला और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। यह बातें अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्ष चित्रांशी अग्रवाल ने आयोजित मास्टरशेफ कुकरी प्रतियोगिता के दौरान कहीं।

मंडल की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में नौ टीमों के 96 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने आकर्षक पेय पदार्थ, नमकीन व्यंजन और मिठाइयां तैयार कीं। प्रतियोगिता में रंग-बिरंगी त्योहारों की थीम को व्यंजनों में शामिल किया गया।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में जयपुर की प्रसिद्ध शेफ विनिता सोमानी, नितिन टंडन और डॉ. पारुल अग्रवाल शामिल रहे। प्रतिभागियों का मूल्यांकन स्वाद, प्रस्तुति, रचनात्मकता, त्योहार की थीम, टीमवर्क और स्वच्छता के आधार पर किया गया।

प्रतियोगिता में स्पाइस स्पार्कर्स टीम विजेता रही। टीम की कप्तान सपना नेमानी और उप कप्तान शिल्पा कनोडिया रहीं। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों में उत्साह और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल रहा।

कार्यक्रम का आयोजन अध्यक्ष चित्रांशी अग्रवाल, सचिव प्रीति जैन, कोषाध्यक्ष नंदिता गुप्ता, मेंटर ऋचा झंझरिया और इवेंट हेड पियूषी ओसवाल के नेतृत्व में हुआ। अर्पिता महिला मंडल पिछले 30 वर्षों से सामाजिक सेवा, महिला सशक्तीकरण और सामुदायिक गतिविधियों के क्षेत्र में कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में मायूर टाइटल स्पॉन्सर और बावर्ची को-पावर्ड बाय रहे। एमकेयू, हॉलिडे टूर्स एंड ट्रैवल्स, अशोक मसाले, दिव्या एम्बर बाय वास्तु कल्प, मोहिनी टी, एम्ब्रोसिया लैब्स बाय पारुल, ब्लूमफिनिटी बाय आर्ची, क्रिएटिव कॉर्नर बाय रुम्मन, वुड्स लाइफस्टाइल स्टोर, जेन्युइन ग्रेन और गोल्डी ग्रुप ने भी सहयोग किया।

वाराणसी: करसड़ा प्लांट में सात माह में 35.5 प्रतिशत बढ़ा कूड़े का निस्तारण

रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल देश की सीमेंट फैक्ट्रियों और वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट्स को किया गया आपूर्ति

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्वच्छ काशी, सुंदर काशी' के संकल्प के तहत नगर निगम ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर संजीदा है। इसका नतीजा है कि करसड़ा स्थित 'वेस्ट टू कंपोस्ट' प्लांट में बीते सात महीनों के दौरान कचरा निस्तारण की गति में अप्रत्याशित बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जनवरी की तुलना में जुलाई 2026 तक कूड़े के प्रसंस्करण में करीब 35.5 प्रतिशत का उछाल आया है। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 में करसड़ा स्थित वेस्ट टू

कंपोस्ट प्लांट से लगभग 50,000 टन जैविक खाद (कंपोस्ट) का उत्पादन किया गया है, जिसे विभिन्न उर्वरक (फर्टिलाइजर) कंपनियों को बिक्री के लिए भेजा गया है। वहीं, इसी प्लांट से 52,000 टन रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल (आरडीएफ) भी जनरेट किया गया, जिसे देश की कई प्रमुख सीमेंट इंडस्ट्रीज और बिजली उत्पादन में लगे वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट्स को ईंधन के रूप में भेजा गया है।

नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि शहर में प्रतिदिन 1000 से 1300 टन सॉलिड वेस्ट निकलता है, जिसके शत-प्रतिशत निस्तारण के लिए विभिन्न प्रोसेसिंग प्लांट कार्यरत हैं। इनमें करसड़ा स्थित वेस्ट टू कंपोस्ट प्लांट की क्षमता 600 मीट्रिक टन कूड़ा निस्तारण की है। इसके अलावा रमना स्थित वेस्ट टू-चारकोल प्लांट की क्षमता प्रतिदिन करीब 600 टन सॉलिड वेस्ट से 200 टन कोयला बनाने की है। वहीं, रमना में ही निर्माण सामग्री व मलबे से ईंट और टाइल्स बनाने के लिए कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज (सीएंडडी) प्लांट भी कार्यरत है, जिसकी क्षमता 200 मीट्रिक टन है। पहाड़िया मंडी, भवानिया पोखरी व आईडीएच कॉलोनी में सीबीजी (कंप्रेस्ड बायोगैस) प्लांट स्थापित हैं, जहां वेस्ट टू एनर्जी प्रक्रिया के तहत प्रतिदिन लगभग 500 किग्रा सीबीजी (गैस) का उत्पादन किया जा रहा है।

जलभराव से बर्बाद फसलों का सर्वे कर किसानों को मुआवजा दे सरकार : रेवती रमण सिंह

प्रयागराज।
पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने शनिवार को जलभराव के कारण बर्बाद हुई फसलों का तत्काल सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि शहरों में बरसात से पहले नालों की सफाई और ग्रामीण क्षेत्रों में नालों व ड्रेनों की समय से खुदाई नहीं होने के कारण जलभराव की स्थिति गंभीर हुई है। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता कर किसानों को राहत

दिलाने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने को कहा।

पूर्व सांसद ने मेजा के उपजिलाधिकारी से बातचीत में कहा कि मेजा और मांडा क्षेत्र में नालों व ड्रेनों की खुदाई नहीं होने से कई दिनों से किसानों के खेतों में पानी भरा हुआ है।

इससे फसलें बर्बाद हो रही हैं। उन्होंने तत्काल प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराकर किसानों को सरकार से उचित मुआवजा दिलाने की मांग की। इसी तरह उन्होंने कोरांव, करछना और बारा क्षेत्र के अधिकारियों से भी किसानों की फसलों को हुए नुकसान का आकलन कर राहत दिलाने को कहा।

किसानों की मेहनत पर पानी फेर रही व्यवस्था

सांसद उज्जवल रमण सिंह के प्रतिनिधि विनय कुशवाहा ने कहा कि कुंवर रेवती रमण सिंह जब सिंचाई मंत्री थे, तब उनके कार्यकाल में बड़े पैमाने पर नालों और ड्रेनों की खुदाई कराई गई थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में स्थिति इसके विपरीत है। किसानों को खाद के लिए घंटों कतार में लगना पड़ रहा है। किसी तरह खाद मिलने के बाद किसान अपनी मेहनत और पूंजी लगाकर फसल तैयार करता है, लेकिन सरकारी तंत्र की लापरवाही से बारिश का पानी खेतों में कई दिनों तक जमा रहता है और फसल सड़कर बर्बाद हो जाती है।

उन्होंने कहा कि यदि समय रहते नालों और ड्रेनों की खुदाई करा दी जाती तो किसानों की मेहनत और पूंजी पर पानी नहीं फिरता। इसी तरह शहर के नालों की सफाई भी बारिश शुरू होने से पहले करा दी जाती तो आज जलभराव की इतनी गंभीर स्थिति पैदा नहीं होती।

स्टाफ को लेकर जा रही निजी बस अनियंत्रित होकर पलटी, 14 घायल

नोएडा।
थाना दादरी क्षेत्र के ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर एक कंपनी की स्टाफ बस शनिवार को अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना में बस में सवार 14 व्यक्ति घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी उमेश नैथानी ने बताया कि शनिवार की शाम को एक कंपनी की निजी बस स्टाफ लेकर ईस्टर्न पेरिफेरल के रास्ते जा रही थी। बस में 28 से 30 कंपनी के कर्मचारी सवार थे। उन्होंने बताया कि एक वाहन को बचाने के चक्कर में बस अनियंत्रित हो गई तथा पलट गई। इस घटना में बस में सवार 14 लोग घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नशे की लत पूरी करने के लिए वाहन चोरी करने वाला गिरफ्तार, 8 वाहन बरामद

कानपुर।
नशे की लत पूरी करने के लिए वाहन चोरी करने वाले आरोपित को फजलगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर रेलवे कॉलोनी के किनारे बंद पड़े प्राथमिक विद्यालय के खंडहर से सात बाइक और एक स्कूटी समेत आठ चोरी के वाहन बरामद किए हैं।

डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार को बताया कि फजलगंज पुलिस संगम टाकीज के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को रोकने का प्रयास किया तो वह भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। बाइक के कागजात की जांच करने पर उसके चोरी की होने की पुष्टि हुई।

पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम छोटू बाघमार उर्फ अर्जुन बताया। वह मूलरूप से हमीरपुर के मौदहा थाना क्षेत्र के उमरी गांव का रहने वाला है। डीसीपी के मुताबिक, आरोपित नशे का आदी है और पहले मादक पदार्थों की बिक्री करता था। मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चलने के बाद उसने नशे की जरूरत पूरी करने के लिए वाहन चोरी करना शुरू कर दिया।

फर्जी सैलरी स्लिप से 14 लाख का लोन लेने वाला गिरफ्तार

कानपुर।
कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की आईआईटी शाखा से फर्जी सैलरी स्लिप और कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर 14 लाख रुपये का एक्सप्रेस क्रेडिट पर्सनल लोन लेने के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मुकदमा दर्ज होने के करीब नौ महीने बाद शनिवार को उसे आईआईटी-कल्याणपुर जीटी रोड से पकड़ा गया। कोर्ट में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

बैंक के अनुसार, तात्या टोपे नगर, रविदास पुरम, उद्योग नगर निवासी शिवम ने 13 जनवरी 2023 को 14 लाख रुपये का लोन लिया था। उसकी मासिक किस्त 27,663 रुपये थी। कुछ समय तक किस्त जमा करने के बाद उसने भुगतान बंद कर दिया। 11 जून 2024 को खाता अनियमित हो गया। बैंक के मुताबिक, उस पर 12 लाख 29 हजार 47 रुपये से अधिक बकाया है।

भुगतान नहीं होने पर बैंक ने लोन के दौरान जमा दस्तावेजों की जांच कराई।

शिवम ने नौकरी के प्रमाण के तौर पर पशु जैविक औषधि संस्थान के उपनिदेशक के नाम से जारी सैलरी स्लिप लगाई थी। सत्यापन में पता चला कि वह संस्थान में कभी नौकरी नहीं करता था और उसके नाम से कोई सैलरी स्लिप जारी नहीं हुई थी। उसने अंडरटेकिंग, शपथपत्र और बैंक इकरारनामा समेत अन्य दस्तावेज भी लगाए थे।

बैंक के ब्रांच ऑपरेशन मैनेजर चिन्मय आदित्य मिश्रा ने 19 मई 2025 को कल्याणपुर थाने में शिकायत की थी। मुकदमा दर्ज नहीं होने पर उन्होंने एसीजेएम कक्ष संख्या-दो की अदालत में प्रार्थनापत्र दिया। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

निमार्णाधीन बिल्डिंग की चौदहवीं मंजिल से गिरे दो मजदूर, मौत

नोएडा।
थाना बिसरख क्षेत्र में निमार्णाधीन एक बिल्डिंग से शनिवार की शाम को दो मजदूर ऊंचाई से नीचे गिर गए। इस घटना में दोनों की मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने ठेकेदार को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना बिसरख क्षेत्र में निमार्णाधीन गोल्फ होम सोसाइटी में काम कर रहे दो मजदूर सरकार पुत्र अब्दुल खालिद सरकार मूल निवासी कुछ बिहार पश्चिम बंगाल उम्र 19 वर्ष तथा जमाल शेख पुत्र अब्दुल हौसले निवासी कुछ बिहार पश्चिम बंगाल उम्र लगभग 45 वर्ष चौदहवीं मंजिल से नीचे गिर गए।

मुरादाबाद में 12 घंटे के अंदर दूसरा तेंदुआ पिंजरे में कैद, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

मुरादाबाद।
उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद जनपद के तहसील ठाकुरद्वारा ग्राम कोठा महमूद क्षेत्र में शनिवार को रात वन विभाग के लगाए गये पिंजरे में एक और तेंदुआ कैद हो गया। यह आठवां तेंदुआ है, जिसको टीम ने रेस्क्यू किया है। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पिंजरे को अपने कब्जे में ले लिया। उसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुटी थी। शनिवार सुबह भी एक तेंदुए का रेस्क्यू ठाकुरद्वारा ग्राम सरकड़ा परम क्षेत्र में किया गया था, जो जिले में रेस्क्यू किया गया सातवां तेंदुआ था। 12 घंटे के अंदर वन विभाग की टीम को यह दूसरी सफलता मिली है।

जिलाधिकारी डा. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि संवेदनशीलता के दृष्टिकोण से वन विभाग की देखरेख में रेस्क्यू टीम लगातार सक्रिय है। साथ ही प्रशासनिक स्तर से पूरे संवेदनशील क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामों ने सतर्कता एवं जागरूकता के लिए चौपालें आयोजित की जा रही हैं। पूरे संवेदनशील क्षेत्र से अब तक 08 तेंदुओं का रेस्क्यू किया जा चुका है।

जिलाधिकारी ने बताया कि थाना ठाकुरद्वारा क्षेत्र के कई गांव में बीते तीन पखवाड़े से तेंदुए कई लोगों को और उनके जानवरों को अपना शिकार बना चुके हैं। इसके बाद से तेंदुए की सक्रियता ने ठाकुरद्वारा क्षेत्र के कई गांव के ग्रामीणों की चिंता बढ़ा रखी थी। खेत में काम करने जाने वाले किसानों और चारा लेने जाने वाली महिलाओं को भी डर लग रहा था कि कब तेंदुआ उन पर हमला कर दें। हालांकि वन विभाग ने लोगों को सतर्कता बरतने के साथ प्रभावित गांवों में निगरानी बढ़ाने के साथ जगह पिंजरे लगाए थे।

इन्हीं पिंजरों मे से एक पिंजरे शनिवार रात्रि के लगभग दस बजे के आसपास वन विभाग की रेस्क्यू टीम को ग्राम तहसील ठाकुरद्वारा के ग्राम कोठा महमूद क्षेत्र में पूर्व में लगाए गए पिंजरे में तेंदुए के कैद हो जाने की सूचना मिली। इसके बाद वन विभाग की टीम ने पहुंचकर उसे अपने कब्जे में लिया। तेंदुए के पिंजरे में कैद हो जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। अब उसके शारीरिक परीक्षण के बाद घने जंगल में छोड़ा जाएगा, ताकि वह दोबारा गांव की ओर न आ सके।

खाद्य विभाग की छापेमारी के विरोध में व्यापारियों ने बाजार बंद कर किया प्रदर्शन

कानपुर।
घंटाघर स्थित एक्सप्रेस रोड बाजार में शनिवार को लखनऊ और कानपुर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर 19 दुकानों से खोया समेत अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। त्योहार से ठीक पहले हुई सैंपलिंग की कार्रवाई से नाराज व्यापारियों ने बाजार बंद कर सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। व्यापारियों ने एक्सप्रेस रोड पर जाम लगाकर नारेबाजी की। करीब तीन घंटे तक चले हंगामे की सूचना पर कई थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

टीम ने खोया (मावा) कारोबारी प्रेम गुप्ता समेत अन्य दुकानों पर सैंपलिंग शुरू की तो कुछ व्यापारियों ने विरोध करते हुए दुकानें बंद कर दीं। इसके बाद एक्सप्रेस रोड व्यापार मंडल के अध्यक्ष रोशन गुप्ता, वरिष्ठ महामंत्री इखलाक मिर्जा, महामंत्री सचिन त्रिवेदी और भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के जिला युवा अध्यक्ष आशीष मिश्र समेत बड़ी संख्या में व्यापारी एकत्र हो गए।

व्यापारियों ने एक-एक दुकान पर सैंपलिंग किए जाने का विरोध किया। उनका कहना था कि त्योहार से पहले इस तरह की कार्रवाई से व्यापारी परेशान हैं।

सूचना पर भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र, जिलाध्यक्ष विजय गुप्ता गोरे, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष गुलशन आनंद व प्रवीण दीक्षित और प्रचार मंत्री पवन गुप्ता समेत अन्य पदाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए।

ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि बिना शिकायत एक-एक दुकान पर सैंपलिंग किए जाने से व्यापारियों में दहशत का माहौल है। उन्होंने कार्रवाई के तरीके पर आपत्ति जताते हुए अधिकारियों से व्यापारियों की समस्या पर भी ध्यान देने की मांग की।

मीरजापुर : जीआरपी ने बिना टिकट-वीजा सफर करते बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा, जा रहा था पुलवामा

मीरजापुर।
मीरजापुर रेलवे स्टेशन पर शनिवार शाम चेकिंग के दौरान जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने ब्रह्मपुत्र मेल के एसी कोच से एक बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा। पूछताछ में उसके पास न तो यात्रा का टिकट मिला और न ही भारत में प्रवेश और रहने से संबंधित वीजा दस्तावेज। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

कामाख्या से दिल्ली जा रही 15658 ब्रह्मपुत्र मेल शनिवार शाम मीरजापुर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर तीन पर पहुंची थी। इसी दौरान जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ट्रेन में चेकिंग कर रही थी। एसी कोच में एक यात्री की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर जवानों ने उसे रोककर पूछताछ की।

पूछताछ में उसने खुद को बांग्लादेश का नागरिक बताया। पुलिस ने उससे टिकट और वीजा मांगा, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद उसे ट्रेन से उतारकर जीआरपी थाने लाया गया।

पुलिस के अनुसार, पकड़े गए युवक की पहचान बांग्लादेश के हबीबगंज जिले के एक थाना क्षेत्र के मुजलिसपुर गांव निवासी 23 वर्षीय मो. रियाज के रूप में हुई है।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार के लिए मुरादाबाद रेल मंडल द्वारा की गई है व्यापक तैयारियां

मुरादाबाद।
श्रावण मास के अंतिम सोमवार के अवसर पर हरिद्वार एवं ऋषिकेश सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं एवं रेल यात्रियों की संभावित बढ़ती भीड़ तथा यात्री आवागमन में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन एवं सुगम रेल आवागमन के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं।

मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव के निर्देशन में मंडल के विभिन्न विभागों द्वारा आपसी समन्वय के साथ व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी की जा रही है। हरिद्वार, ज्वालापुर, रुड़की एवं योगनगरी ऋषिकेश सहित प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुदृढ़ की गई हैं। यात्रियों को उचित प्लेटफॉर्म, ट्रेन एवं गंतव्य की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है।

सुरक्षा व्यवस्था को किया गया सुदृढ़ श्रद्धालुओं एवं रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए रेलवे सुरक्षा बल, राजकीय रेलवे पुलिस एवं रेलवे प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। संवेदनशील एवं अधिक भीड़भाड़ वाले रेलवे स्टेशनों पर आवश्यकता के अनुसार आरपीएफ एवं जीआरपी के अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है। पर्याप्त बल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए त्न्थ के अधिकारियों एवं बल सदस्यों की छुट्टियां अस्थायी रूप से बंद रखी गई हैं, ताकि आवश्यकता के अनुरूप प्रभावी तैनाती की जा सके।

यात्री सहायता केंद्र एवं मेडिकल हेल्प डेस्क

हरिद्वार एवं योगनगरी रिषिकेश रेलवे स्टेशनों पर मेडिकल हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं, जहां आवश्यकता पड़ने पर श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स तथा सिविल डिफेंस की सक्रिय सेवा व सहायता लगातार जारी

श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दौरान उत्तर रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, मुरादाबाद मंडल तथा सिविल डिफेंस, मुरादाबाद मंडल की टीमें हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर यात्रियों एवं भक्तों की सहायता में सक्रिय हैं। स्वयंसेवकों द्वारा वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, महिलाओं एवं जरूरतमंद यात्रियों को व्हीलचेयर उपलब्ध कराने, स्टेशन परिसर एवं फुट ओवर ब्रिज पर सुरक्षित आवागमन में सहायता करने तथा ट्रेनों में सुरक्षित चढ़ने एवं उतरने में सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

टिकटों की कालाबाजारी एवं अवैध टिकट दलाली पर विशेष निगरानी

यात्रियों को आवश्यकतानुसार टिकट उपलब्ध कराने तथा टिकटों की कालाबाजारी एवं अवैध टिकट दलाली पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है।

टिकट आरक्षण केंद्रों एवं अन्य संबंधित स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा अवैध टिकट दलाली में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

अमेरिका कनाडा के 20 अरब डॉलर के आयात पर लगाएगा 50 फीसदी शुल्क

करीबी सहयोगी देशों के संबंध और बिगड़ेंगे

वाशिंगटन ।

अमेरिका ने कनाडा के साथ व्यापार वार्ता असफल होने के बाद उससे आयात किए जाने वाले 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर शनिवार से 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है। इस कदम से ऐतिहासिक रूप से करीबी सहयोगी रहे दोनों देशों के पहले से तनावपूर्ण संबंधों में और खटास आने की आशंका है। एक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने बताया कि कनाडा ने इस सप्ताह की शुरुआत में जिन शर्तों पर सहमति बनी थी, उनके आधार पर व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से इनकार कर दिया। ग्रीर ने कनाडा पर नई मांगें रखने और कुछ पुरानी प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने का आरोप लगाया, जिससे पिछले कुछ दिनों में बनी सहमति का संतुलन बिगड़ गया। इसके जवाब में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका की ओर से प्रस्तावित शर्तों में अंतिम समय में किए गए बदलावों को अनुचित और आर्थिक रूप से अव्यावहारिक बताया। उन्होंने कहा कि ये बदलाव किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हैं। प्रस्तावित आयात शुल्क कनाडा से हर साल अमेरिका भेजे जाने वाले कुल सामान के लगभग पांच प्रतिशत (880 अरब में से 20 अरब डॉलर) पर पड़ेगा, जिसमें हॉकी स्टिक से लेकर टंग डिप्रेसर जैसे उत्पाद शामिल हैं। हालांकि, इसका राजनीतिक असर आर्थिक प्रभाव से कहीं अधिक होने की संभावना है। ये शुल्क पहले बुधवार को लागू होने थे, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बातचीत जारी रखने के लिए समयसीमा तीन दिन बढ़ा दी थी। इसके बावजूद, दोनों देश तय समय के भीतर किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके।

तनाव के बावजूद भारत पर चीनी मोबाइल ब्रांडों की भारी निर्भरता

- रिपोर्ट के मुता बिक चीन के बाहर भारत इनका सबसे बड़ा बाजार, उत्पादन बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली ।

भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद चीनी मोबाइल ब्रांड भारतीय बाजार पर अपनी भारी निर्भरता बनाए हुए हैं। चीन के बाहर भारत उनके लिए सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वीवो, ओप्पो और रियलमी जैसे प्रमुख ब्रांडों के वैश्विक निर्यात में भारत का महत्वपूर्ण योगदान है, जिसने उन्हें यहां स्थानीय उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। रिपोर्ट बताती है कि 2025 में वीवो के वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा 34 फीसदी था। यह ब्रांड भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला स्मार्टफोन है, जिसने 2026 की दूसरी तिमाही में कुल बाजार का 18 फीसदी हिस्सा हासिल किया। अब वीवो, डिक्सन टेक्नॉलजीज के साथ संयुक्त उपक्रम के जरिये भारत में अपने स्मार्टफोन उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दे रही है। वीवो जैसी ही कहानी अन्य चीनी ब्रांडों की भी है। 2025 में ओप्पो के वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा 23 फीसदी, रियलमी के लिए 35 फीसदी और वनप्लस के लिए 32 फीसदी तक पहुंच गया था। ये चारों ब्रांड (वीवो, ओप्पो, रियलमी और वनप्लस) चीन की दिग्गज कंपनी बीबीके इलेक्ट्रॉनिक्स के स्वामित्व में हैं। मोटोरोला, जिसका नियंत्रण अब चीनी कंपनी लेनोवो के पास है, के लिए भी भारत उसके वैश्विक निर्यात में 20 फीसदी का योगदान देता है और कंपनी भारत में असेंबल किए गए फोन सीधे तौर पर अमेरिका को निर्यात कर रही है। लंदन मुख्यालय वाली स्मार्टफोन निर्माता नथिंग के वैश्विक निर्यात में तो भारत की हिस्सेदारी 71 फीसदी हो गई है। ओएमडीआईए के विश्लेषक संयम चौरसिया के अनुसार, श्याओमी को छोड़कर ज्यादातर चीनी ब्रांड वैश्विक स्तर पर उतने मजबूत नहीं हैं, और चीन के बाद भारत उनके लिए दूसरा सबसे अहम और बड़ा बाजार है, जो उनकी व्यावसायिक सफलता के लिए अपरिहार्य है।

मेटा के एआई कंटेंट मॉडरेशन पर सरकार की चिंता, मानव समीक्षा की वकालत

बिना मानव हस्तक्षेप के एआई द्वारा सामग्री हटाने पर आपत्ति, खालिस्तान मामले का दिया उदाहरण

नई दिल्ली। भारत सरकार ने मेटा के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित कंटेंट मॉडरेशन सिस्टम पर गंभीर चिंता व्यक्त की है, खासकर उसमें मानव समीक्षकों की अनुपस्थिति को लेकर। इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने हाल ही में मेटा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बैठक में कंपनी से ऐसे सिस्टम बनाने को कहा है जो सिर्फ एआई इंजन के फैसलों के आधार पर उपयोगकर्ताओं की सामग्री न हटाएं।

वैश्विक दबाव में रहा बाजार- कच्चे तेल और भू-राजनीतिक तनाव ने बढ़ाई अनिश्चितता

हफ्ते के अंत में बाजार ने कुछ सुधार दिखाया, लेकिन अनिश्चितता का माहौल बरकरार रहा

मुंबई ।

बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को उतार-चढ़ाव भरे माहौल का सामना करना पड़ा। पश्चिमी एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें शुरुआती दिनों में बाजार पर हावी रहीं, जिससे प्रमुख सूचकांकों में लगातार गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, हफ्ते के अंत में बाजार ने कुछ सुधार दिखाया, लेकिन अनिश्चितता का माहौल बरकरार रहा। कच्चे तेल और भू-राजनीतिक दबाव (सोमवार से बुधवार) हफ्ते की शुरुआत निवेशकों के लिए निराशाजनक रही। सोमवार को भारतीय बाजार में गिरावट के साथ शुरुआत हुई, जहां सेंसेक्स 281.09 अंक गिरकर 77,728.16 पर और निफ्टी 78.35 अंक गिरकर 24,287.65 पर बंद हुआ। यह लगातार पांचवां कारोबारी सत्र था जब बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा] सेंसेक्स 492.70 अंक गिरकर 77,235.46 पर और निफ्टी 132.75 अंक फिसलकर 24,154.90 के स्तर पर आ गया। बुधवार को भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण बाजार में और कमजोरी आई। सेंसेक्स 325.78 अंक गिरकर 76,909.68 पर और निफ्टी 76.60 अंक गिरकर 24,078.30 पर बंद हुआ। इस तरह सेंसेक्स में चार दिनों में कुल 1,170.28 अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी ने लगातार सात दिनों तक नुकसान झेला। लंबी गिरावट के बाद गुरुवार को निवेशकों के चेहरे पर खुशी लौटी। अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट और शॉर्ट-कवरिंग के चलते बाजार ने जोरदार वापसी की। निफ्टी ने लगातार सात दिनों की गिरावट के सिलसिले को तोड़ते हुए 24,200 का स्तर पार किया।

आईआईटी हैदराबाद में स्थापित होगा जिंदल स्टील उत्कृष्टता केंद्र

उच्च क्षमता, मूल्यवर्धित और लागत-प्रभावी इस्पात उत्पादों व समाधानों पर केंद्रित होगा

नई दिल्ली ।

जिंदल स्टील (जेएसपीएल) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद ने देश के बुनियादी ढांचे, इंजीनियरिंग और रणनीतिक औद्योगिक क्षेत्रों में उन्नत इस्पात समाधानों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया है। इस महत्वपूर्ण साझेदारी के तहत आईआईटी हैदराबाद परिसर में एक जिंदल स्टील उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिसका लक्ष्य उच्च क्षमता और लागत-दक्षता वाले इस्पात उत्पादों का विकास और प्रचार करना है। यह उत्कृष्टता केंद्र विशेष रूप से उच्च क्षमता, मूल्यवर्धित और लागत-प्रभावी इस्पात उत्पादों व समाधानों पर केंद्रित होगा। इसका मुख्य उद्देश्य डिजाइनरों, सलाहकारों, इंजीनियरों, ईपीसी कंपनियों और उपकरण निर्माताओं के साथ मिलकर उन्नत इस्पात ग्रेड के उपयोग की संभावनाओं को पहचानना और उन्हें बढ़ावा देना है। जिंदल स्टील के एक अे धिकारी ने बताया कि यह साझेदारी भारत के बुनियादी ढांचे, इंजीनियरिंग और औद्योगिक क्षेत्रों में उच्च क्षमता और लागत-प्रभावी इस्पात के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने जोर दिया कि आईआईटी हैदराबाद की तकनीकी क्षमता और जिंदल स्टील की विनिर्माण, धातुकर्म तथा इंजीनियरिंग विशेषज्ञता को मिलाकर यह केंद्र विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत, हल्के, तेज और अधिक दक्ष इस्पात समाधान विकसित करेगा।

आरबीआई ने श्रीराम फाइनेंस और प्रॉगफिन पर लगाया लाखों का जुर्माना

निदेशक नियुक्ति, केवायसी और जोखिम वर्गीकरण नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कुछ नियमों और निर्देशों का पालन न करने के कारण श्रीराम फाइनेंस कॉर्पोरेशन और प्रॉगफिन पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। आरबीआई के अनुसार श्रीराम फाइनेंस पर 8.10 लाख रुपये और प्रॉगफिन पर 2.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जो वित्तीय नियमों के अनुपालन में गंभीरता को दर्शाता है। आरबीआई ने श्रीराम फाइनेंस पर निदेशक की नियुक्ति करते समय केंद्रीय बैंक से पूर्व लिखित अनुमति न लेने के लिए जुर्माना लगाया, जिसके कारण प्रबंधन में बदलाव हुआ। इसके अतिरिक्त, कंपनी ग्राहकों को कम, मध्यम और उच्च जोखिम वाली श्रेणियों में वर्गीकृत करने की प्रणाली बनाने में विफल रही और कुछ ग्राहकों के केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) रिकॉर्ड को निर्धारित समय-सीमा के भीतर केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री में अपलोड नहीं कर पाई। वहीं प्रॉगफिन पर खातों के जोखिम वर्गीकरण की समय-समय पर समीक्षा करने की व्यवस्था (जो नियमों के अनुसार हर छह महीने में एक बार अनिवार्य है) लागू करने में विफल रहने के कारण जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई वित्तीय संस्थाओं के लिए सख्त नियामक अनुपालन के महत्व को रेखांकित करती है।

चीनी की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि अनुचित, जमाखोरों पर होगी कार्रवाई- सरकार

इथेनॉल उत्पादन को कीमत वृद्धि का कारण बताने से सरकार का इनकार

नई दिल्ली

सरकार ने चीनी की कीमतों में हालिया बेतहाशा वृद्धि को पूरी तरह अनुचित करार देते हुए उन दावों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि इथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी के उपयोग से कीमतों में उछाल आया है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने स्पष्ट किया कि देश में चीनी का पर्याप्त भंडार है, और बढ़ती कीमतें उद्योग की जमाखोरी का परिणाम हैं। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि घरेलू मांग पूरी होने के बावजूद चीनी उद्योग द्वारा कीमतों में तेज वृद्धि अनुचित है। उन्होंने राज्यों को चीनी की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सरकार ने एहतियाती कदम के तौर पर 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है, साथ ही थोक उपभोक्ताओं पर 1 सितंबर से 15 दिन की खपत से अधिक चीनी के भंडारण पर रोक लगाई है।

चोपड़ा ने स्पष्ट किया कि देश में चीनी का पर्याप्त भंडार है। 2025-26 विपणन सत्र में उत्पादन अनुमान 343 लाख टन से घटकर 306 लाख टन रह जाने के बावजूद, सालाना घरेलू मांग 280-285 लाख टन की तुलना में यह पर्याप्त है। उन्होंने इस तीव्र मूल्य वृद्धि को अनुचित बताया, जिसमें खुदरा कीमतें 48 से 56 रुपये और मिल-स्तर पर 47-48 से 62 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा कि इथेनॉल उत्पादन के लिए केवल 28 लाख टन चीनी का उपयोग हुआ है, जिसका अधिकांश हिस्सा अब मक्के से बनता है, अतः कीमत वृद्धि का कोई वास्तविक कारण नहीं है।

सरकार को उम्मीद है कि इन कदमों से त्योहारी मौसम में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

राशन वितरण में आएगा बदलाव, डिजिटल रुपया रोकेगा धोखाधड़ी

रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली लीकेज और हेराफेरी को काफी हद तक कम करेगी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में धोखाधड़ी और सब्सिडी लीकेज पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इसके तहत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की खाद्य सब्सिडी अब सीधे लाभार्थियों के केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) आधारित डिजिटल रुपया वॉलेट में हस्तांतरित की जाएगी। यह कदम देशभर में लगभग 78.85 करोड़ लाभार्थियों को प्रति माह वितरित होने वाले 19,000 करोड़ रुपये के खाद्यान्न में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा। यह उद्देश्य-आधारित डिजिटल सब्सिडी लाभार्थियों को सूचीबद्ध दुकानदारों से खाद्यान्न खरीदने की सुविधा देगी। वे एक सुरक्षित और ट्रैक करने योग्य डिजिटल भुगतान तंत्र का उपयोग कर सकेंगे। रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली लीकेज और हेराफेरी को काफी हद तक कम करेगी। स्मार्टफोन उपयोगकर्ता क्यूआर कोड से, जबकि साधारण मोबाइल वाले ओटीपी-आधारित वाउचर से भुगतान कर सकेंगे। अप्रयुक्त कूपन स्वतः सरकारी खाते में लौट जाएंगे, जिससे फर्जी एंट्री की संभावना समाप्त होगी और राशन डीलर द्वारा कालाबाजारी पर लगाम लगेगी। गुजरात, पुडुचेरी, चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली में सफल परीक्षण के बाद, इस सीबीडीसी आधारित प्रत्यक्ष

लाभ अंतरण योजना को अब उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सहित सात और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में लागू करने की तैयारी है। यह पहल राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देश में खाद्यान्न वितरण को अधिक कुशल और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

परमाणु ऊर्जा उद्योग ने मांगा पारदर्शी शुल्क ढांचा

निजी भागीदारी के बाद उठाई समान अवसर की मांग

नई दिल्ली ।

परमाणु ऊर्जा उद्योग ने केंद्र सरकार से एक पारदर्शी और पूर्वानुमानित शुल्क ढांचे की मांग की है, ताकि विनिर्माताओं के मुनाफे और प्रतिस्पर्द्धी कीमतों के बीच संतुलन बनाया जा सके। 'भारत के रूपांतरण हेतु परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन एवं विकास विधेयक (शांति) अधिनियम, 2025' के पारित होने के बाद इस क्षेत्र में निजी भागीदारी को हरी झंडी मिल चुकी है। अब उद्योग ने सरकार से यह भी अपील की है कि परमाणु ऊर्जा को बिजली के अन्य स्रोतों के साथ बराबरी पर लाने के लिए समान अवसर उपलब्ध कराए जाएं। लार्सन ऐंड टुब्रो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि आर्थिक रूप से फायदेमंद होने के लिए शुल्क बाजार दरों के अनुरूप होने चाहिए और बिजली की अधिकतम समतूल्य लागत 8 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जहां भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम (एनपीसीआईएल) की स्वदेशी तकनीक में औसत शुल्क लगभग 4 रुपये प्रति यूनिट है, वहीं विदेशी तकनीक अधिक महंगी है। परब ने सुझाव दिया कि स्थानीय सामग्री को 100 फीसदी तक बढ़ाने और तकनीकी फीस को 6 से 10 रिएक्टरों में विभाजित करने से विदेशी तकनीक भी फायदेमंद हो सकती है।

प्रधानमंत्री से मिले 20 स्पेस स्टार्टअप के सीईओ, निजी अंतरिक्ष क्षेत्र बढ़ाने पर दिया जोर

वैश्विक प्रतिभा और निवेश आकर्षित करने की संभावना, कृषि-पर्यावरण में नए प्रयोगों पर जोर

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित सेवा तीर्थ में देश के 20 अग्रणी स्वदेशी अंतरिक्ष स्टार्टअप के संस्थापकों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) से मुलाकात की। इस बैठक में उन्होंने निजी क्षेत्र के नवाचार और अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में उनके बढ़ते योगदान की सराहना की, जो भारत के तेजी से विकसित हो रहे निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए सरकार के मजबूत समर्थन को रेखांकित करती है। मोदी ने इन उद्यमियों को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए बधाई देते हुए कहा कि निजी क्षेत्र की उपलब्धियां अंतरिक्ष क्षेत्र को खोलने के सरकार के दृष्टिकोण को सही ठहराती हैं। उन्होंने जोर दिया कि भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र का तीव्र विकास वैश्विक प्रतिभाओं, कंपनियों और निवेश को आकर्षित करने की अपार संभावनाएँ पैदा कर रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और आईएन-स्पेस के अध्यक्ष पवन गोयनका भी इस महत्वपूर्ण बैठक में उपस्थित थे। इन स्टार्टअप्स में स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस, पिक्सेल, ध्रुव स्पेस सहित कई प्रमुख कंपनियां शामिल थीं, जो रॉकेट, उपग्रह, एविओनिक्स, उन्नत प्रणोदन और अंतरिक्ष मलबे को हटाने जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं। कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने प्रधानमंत्री के साथ अपनी प्रगति, दृष्टिकोण और भविष्य की योजनाओं को साझा किया। उन्होंने सरकारी समर्थन और उद्योग के भीतर बढ़ते सहयोग की विशेष रूप से सराहना की। प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप से अपनी प्रौद्योगिकियों के नए अनुप्रयोगों, विशेषकर कृषि और पर्यावरण से जुड़े क्षेत्रों में, का पता लगाने का आग्रह किया।

उन्होंने युवा छात्रों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए अटल टिंकरिंग लैब्स के साथ जुड़ाव को और गहरा करने की भी बात कही।

त्योहारी सीजन में चीनी का कड़वा वार, कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर

एक महीने में 20 फीसदी का उछाल, इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने का डायवर्जन

नई दिन्ली।

त्योहारों से ठीक पहले चीनी के दामों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले एक महीने में चीनी की कीमतें 20 फीसदी बढ़कर 65 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई हैं, जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। इसका मुख्य कारण इथेनॉल उत्पादन में गन्ने का अधिक इस्तेमाल बताया जा रहा है, जिसने आम आदमी का बजट बिगाड़ दिया है। भारत में चीनी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं, जिसने त्योहारों के मौसम में आम उपभोक्ता को मुश्किल में डाल दिया है। एक महीने पहले 48.18 रुपए प्रति किलो मिलने वाली चीनी अब खुदरा बाजारों में 65 रुपए प्रति किलो तक बिक रही है। यह उछाल ऐसे समय में आया है जब देश में गन्ने की पर्याप्त पैदावार है और सरकार ने घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए चीनी के निर्यात पर भी रोक लगा रखी है। बावजूद इसके दामों का बढ़ना बाजार के एक अजीब संकट की ओर इशारा करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस संकट की मुख्य वजह इथेनॉल बनाने के लिए गन्ने का बढ़ता उपयोग है। इथेनॉल कार्यक्रम देश की ऊर्जा सुरक्षा के

लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन यह चीनी की उपलब्धता को प्रभावित कर रहा है। पंजाब में चीनी 65 रुपये प्रति किलो बिक रही है, जबकि मुंबई और भोपाल जैसे शहरों में भी कीमतें 58-63 रुपये प्रति किलो के बीच हैं। गणेश चतुर्थी, दशहरा और दिवाली जैसे त्योहारों के आने से चीनी की मांग में तेज़ी आएगी, जिससे सरकार के सामने कीमतों को नियंत्रण में रखने और महंगाई को बढ़ने से रोकने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

मोबाइल विनिर्माण को 62,500 करोड़ का बूस्टर, केंद्र ने नई प्रोत्साहन योजना शुरू की

निर्माताओं को 2.5 से 5 फीसदी तक मिलेगा इंसेंटिव, घरेलू पुर्जों की खरीद पर अतिरिक्त लाभ

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने देश में मोबाइल फोन विनिर्माण को बढ़ावा देने और भारतीय ब्रांडों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी नई योजना की घोषणा की है। मोबाइल फोन निर्माण योजना (स्क्क्स) नामक इस पहल के तहत, सरकार अगले पांच वित्तीय वर्षों (2027 से 2031) के लिए 62,500 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन देगी, जिसका लक्ष्य घरेलू मूल्यवर्धन बढ़ाना और निर्यात को गति देना है। यह योजना भारत को वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इस योजना में मोबाइल फोन निर्माताओं को उनके पात्र उत्पादन पर 2.5 प्रतिशत से लेकर 5 प्रतिशत तक का इंसेंटिव दिया जाएगा। इसके साथ ही, भारत में प्रमुख पुर्जों और सब-असेंबली की घरेलू खरीद को प्रोत्साहित करने के लिए 1.5 प्रतिशत तक का अतिरिक्त लाभ भी मिलेगा। सरकार का मानना है कि इससे न केवल देश में विनिर्माण क्षमताओं का विस्तार होगा, बल्कि एक मजबूत स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला भी विकसित होगी।

योजना को दो मुख्य लक्षित खंडों में बांटा गया है- पहला, मोबाइल फोन विनिर्माण को बढ़ावा देना और दूसरा, भारतीय मोबाइल फोन ब्रांडों को मजबूत करना। इंसेंटिव प्राप्त करने के लिए आवेदन करने वाली कंपनियों, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण सेवा कंपनियां भी शामिल हैं, का भारत में पंजीकृत होना अनिवार्य होगा। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2026 में उनका कारोबार कम से कम 10,000 करोड़ रुपये होना जरूरी है। यह योजना पिछली सफल नीतिगत पहलों की निरंतरता है, जिनके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2015 के बाद से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में सात गुना और निर्यात में 11 गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

पहले सेगमेंट में पात्र बिक्री पर इंसेंटिव की दर धीरे-धीरे कम होगी, जो वित्त वर्ष 2027 और 2028 में 2.75 प्रतिशत, 2029 और 2030 में 2.5 प्रतिशत, और 2031 में 2.25 प्रतिशत रहेगी। वहीं दूसरे सेगमेंट, जिसका लक्ष्य भारतीय ब्रांडों को सशक्त करना है, में अधिक इंसेंटिव मिलेगा। यह पहले दो साल में 5 प्रतिशत, वित्त वर्ष 2029 और 2030 में 4.5 प्रतिशत, और वित्त वर्ष 2031 में 4 प्रतिशत होगा। अतिरिक्त इंसेंटिव के लिए डिस्प्ले मॉड्यूल, कैमरा मॉड्यूल, एनक्लोजर, बैटरी और यूएसबी केबल व कनेक्टर जैसे मुख्य पुर्जे शामिल हैं।

ऑटो सेक्टर में उत्सव का माहौल, चुनौतियों से इनकार नहीं

त्योहारी सीजन से पहले रिकॉर्ड बुकिंग, ऑटो कंपनियों ने बढ़ाया उत्पादन

नई दिल्ली

देश का यात्री वाहन उद्योग त्योहारी सीजन के लिए कमर कस चुका है। रिकॉर्ड बुकिंग और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए विनिर्माता उत्पादन बढ़ा रहे हैं, डीलरों के पास स्टॉक जमा कर रहे हैं और नए मॉडल उतारने की तैयारी में हैं। हालांकि, इस उत्साह के बीच कंपनियों को वित्त वर्ष 2027 की दूसरी छमाही में वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ने का डर सता रहा है, जिसकी वजह पिछले साल के जीएसटी लागू होने के बाद की उच्च बिक्री तुलना है। कमोडिटी की बढ़ती कीमतें और डीलरों के पास बढ़ता स्टॉक भी अतिरिक्त जोखिम पैदा कर रहा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में 74.3 प्रतिशत डीलरों को बिक्री में वृद्धि की उम्मीद है, जो जुलाई से पहले के 51.24 प्रतिशत से काफी अधिक है। त्योहारी सीजन के लिए तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है, और यात्री वाहनों के 53.57 प्रतिशत डीलरों ने बुकिंग में बढ़ोतरी दर्ज की है। आपूर्ति की रुकावटों को दूर कर और नए मॉडल लाने की तैयारी कर कंपनियां इस मांग को भुनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सांख्यिकीय आंकड़े भी इस तेजी की पुष्टि करते हैं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) के अनुसार; जुलाई में यात्री वाहनों का उत्पादन सालाना आधार पर 26.4 प्रतिशत बढ़कर 5,05,520 इकाई हो गया, जबकि थोक आपूर्ति 34.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,57,810 वाहनों तक पहुंच गई। अप्रैल-जून तिमाही में भी उत्पादन और थोक आपूर्ति में क्रमशः 16.8 प्रतिशत और 25.9 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई। खुदरा बिक्री भी मजबूत बनी हुई है; फाडा के अनुसार, जुलाई में खुदरा पंजीकरण में 19.13 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, थोक आपूर्ति में खुदरा बिक्री की तुलना में तेजी से हुई बढ़ोतरी से पता चलता है कि यह बढ़त त्योहारों के लिए स्टॉक जमा करने की वजह से है। डीलरों के पास मौजूदा स्टॉक फाडा के सुझाए गए 21 दिनों के मुकाबले बढ़कर 33 से 35 दिन तक पहुंच गया है, जिसमें आधे से अधिक डीलरों ने उच्च स्टॉक की सूचना दी है। फाडा ने आगाह किया है कि अगस्त और सितंबर में वृद्धि का श्रेय कम आधार प्रभाव को जाएगा, क्योंकि पिछले साल जीएसटी 2.0 से पहले खरीदारों ने खरीद टाल दी थी। दीवाली और धनतेरस का नवंबर में पड़ना इस साल अक्टूबर की तुलना को और जटिल बनाएगा, जिससे थोक बिक्री के बजाय खुदरा बिक्री ही उद्योग के लिए असली कसौटी होगी।

जोश टंग 50 विकेट पूरे कर रचा इतिहास

हेडिंग्ले, एजेंसी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टंग ने पाकिस्तान के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में बड़ी उपलब्धि हासिल की। टंग ने पांच विकेट झटककर मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में 50 विकेट पूरे कर लिए और इस आंकड़े तक पहुंचने वाले पहले गेंदबाज बन गए। उनके शानदार स्पेल की बदौलत पाकिस्तान की पहली पारी 171 रन पर सिमट गई।

टंग ने पांच विकेट लेकर रचा इतिहास

पाकिस्तान के खिलाफ पहली पारी में टंग ने 5 विकेट हासिल किए। इसके साथ ही उन्होंने मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में अपने विकेटों की संख्या 50 पहुंचा दी। वह इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को पीछे छोड़ने में कामयाब रहे। टंग ने इस डब्ल्यूटीसी चक्र में अब तक 10 टेस्ट खेले हैं और 27.18 की औसत से 50 विकेट लिए हैं। उनके नाम तीन बार पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा भी दर्ज है।

स्टार्क और सिराज भी टॉप पर

टंग के बाद मिशेल स्टार्क इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। स्टार्क ने नौ टेस्ट में 19.45 की शानदार औसत से 48 विकेट लिए हैं और उनके नाम भी तीन पांच विकेट हॉल हैं। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। सिराज ने 10 टेस्ट में 26.68 की औसत से 41 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में दो विकेट लेकर सिराज ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ा था।

पाकिस्तान के खिलाफ टंग का कहर

टंग ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने सबसे पहले इमाम-उल-हक को 42 रन के स्कोर पर आउट किया। इमाम ने 74 गेंदों का सामना किया था और अब्दुल्ला शफीक के साथ 91 रन की साझेदारी की थी। इसके बाद टंग ने स्टैंड-इन कप्तान सलमान अली आगा को पवेलियन भेजा। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और अली उस्मान को लगातार गेंदों पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद मोहम्मद अब्बास को आउट कर टंग ने अपना पांच विकेट हॉल पूरा किया।

रॉबिन्सन ने भी झटका पांच विकेट

टंग के साथ ओली रॉबिन्सन ने भी पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। दोनों इंग्लिश तेज गेंदबाजों ने पांच-पांच विकेट लेकर पाकिस्तान को 48.1 ओवर में 171 रन पर समेट दिया। दिलचस्प बात यह है कि 1998 के बाद यह पहली बार है जब इंग्लैंड के दो तेज गेंदबाजों ने एक ही टेस्ट पारी में पांच-पांच विकेट लिए हैं। इससे पहले एंडी कैडिक और एंगस फ्रेजर ने पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

संक्षिप्त समाचार

सीपीएल 2026

गुयाना अमेजन वारियर्स ने सेंट लूसिया किंग्स को 7 विकेट से हराया

सेंट लूसिया, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 में डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए मुकाबले में सेंट लूसिया किंग्स ने गुयाना अमेजन वारियर्स को 7 विकेट से हरा दिया। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट लूसिया किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाए थे। चरिथ असलांका ने 28 गेंदों पर 2 छक्कों और 1 चौके की मदद से 35 रन बनाए। इसके अलावा एंड्रिज गॉस ने 20, कामिल पूरन ने 19, डैरोन नेड ने 17, मैथ्यू फोर्ड और कप्तान रोस्टन चेज ने 14-14 रन बनाए। गुयाना अमेजन वारियर्स के लिए ड्वायन प्रिटोरियस ने 3, शमार जोसेफ ने 2 और रोमारियो शेफर्ड ने 1 विकेट लिए। 152 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी गुयाना को ग्लेन फिलिप्स और मावेंद्र दिनदयाल ने तेज शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 10.3 ओवर में 79 रन जोड़े। फिलिप्स 26 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुए। दिनदयाल ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 51 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 50 रन की पारी खेली। वह दूसरे विकेट के रूप में तब आउट हुए, जब टीम का स्कोर 14 ओवर में 107 रन था। कप्ताम शे होप 17 रन बनाकर आउट हुए। शिमरोन हिटमायर 11 गेंदों पर 1 छक्का और 4 चौकों की मदद से 25 और सैंपसन 4 गेंदों पर 13 रन बनाकर नाबाद रहे। हिटमायर ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। गुयाना ने 3 विकेट के नुकसान पर 18.1 ओवर में 157 रन बनाए और 7 विकेट से मैच जीता। सेंट लूसिया की तरफ से महिश तिक्षाणा ने 2, जबकि जोशुआ बिशप ने 1 विकेट लिए। गुयाना अमेजन वारियर्स की सीजन के दूसरे मैच में यह दूसरी जीत थी, जबकि सेंट लूसिया की पांचवें मैच में यह तीसरी हार थी।

एसीबी ने नूर अहमद का एनओसी रद्द किया, सीपीएल से बाहर हुए अफगान स्पिनर

नई दिल्ली, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 में सेंट लूसिया किंग्स को एक बड़ा झटका लगा है। अफगानिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर नूर अहमद सीपीएल के बचे मैचों में सेंट लूसिया किंग्स के लिए नहीं खेल पाएंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने नूर अहमद उनका नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) रद्द कर दिया है। सेंट लूसिया किंग्स ने नूर अहमद के विकल्प के रूप में न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर टिम सीफर्ट को साइन किया है। सेंट लूसिया किंग्स द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'नूर अब बाकी टूर्नामेंट में सेंट लूसिया किंग्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। फ्रेंचाइजी इस बात से निराश है कि नूर टीम में शामिल नहीं हो पाएंगे। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।' बयान में आगे कहा गया, 'सेंट लूसिया किंग्स टिम सीफर्ट का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं, जो अभी स्क्वाड में शामिल होने के लिए सेंट लूसिया जा रहे हैं।' नूर ने 2020 में किंग्स (तब सेंट लूसिया जॉक्स) के साथ करार किया था। वीजा दिक्कतों की वजह से उन्हें उनके लिए खेलने का मौका नहीं मिला। सीपीएल 2024 में वह टीम के लिए खेले और 12 मैचों में 22 विकेट लेकर न सिर्फ टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज रहे, बल्कि टीम को चैंपियन बनाया।

आईपीएल मत खेलना वरना...

मानव सुतार को मिली चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। मानव सुतार टीम इंडिया के नए स्टार बन गए हैं. श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में उन्होंने कुल 10 विकेट लेकर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया. उन्होंने अभी तक अपने टेस्ट करियर में सिर्फ 2 मैच खेले हैं, लेकिन उन्हें रवींद्र जडेजा का उत्तराधिकारी माना जा रहा है, क्योंकि सुतार जडेजा की ही तरह लेफ्ट-आर्म स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं.

सुतार के दमदार प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने गॉल टेस्ट में 165 रनों से जीत दर्ज की थी. मगर पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने उन्हें चेतावनी दे डाली है. पुजारा ने सलाह देते हुए कहा कि इस स्टार स्पिन गेंदबाज को इंडियन प्रीमियर लीग में नहीं जाना चाहिए. साथ ही पुजारा ने टीम इंडिया मैनेजमेंट से आग्रह किया कि मानव सुतार को रेड बॉल स्पेशलिस्ट गेंदबाज बनाया जाए. चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि युवा खिलाड़ियों के भीतर छोटे फॉर्मेट में खेलने की लालसा होती है, लेकिन मानव सुतार को ऐसा करने से बचना चाहिए. पुजारा के अनुसार सुतार ने आईपीएल खेला तो इसका उनकी गेंदबाजी स्किल्स पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. पुजारा ने कहा, 'सभी युवा खिलाड़ियों चाहते होंगे कि उन्हें छोटे फॉर्मेट में खेलने का अवसर मिले, लेकिन टीम इंडिया को उन्हें (मानव सुतार) को टेस्ट स्पेशलिस्ट बनाना चाहिए. उनका भी आईपीएल में खेलने का मन कर सकता है, लेकिन वहां मत जाना. उन्हें अगर आईपीएल में खेलने का मौका मिलता है, तो वह अच्छा होगा लेकिन जो आपकी ताकत है उसको मत बदलना.'

गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं सुतार

मानव सुतार अभी गुजरात टाइटंस फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं. अपने आईपीएल करियर में उन्होंने अब तक केवल 5 मैच खेले हैं, जिनमें वो सिर्फ 2 विकेट ले पाए हैं. इनमें 4 मुकाबले उन्होंने आईपीएल 2026 में खेले थे. ओवरऑल टी20 करियर में उन्होंने अब तक 29 मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 25 विकेट हैं और इकोनॉमी रेट सिर्फ 7.33 का है.

मानव सुथार के 10 विकेट लेने के पीछे का 'सीक्रेट' पता चल गया

टीम इंडिया के युवा स्पिनर मानव सुथार ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद अपनी शानदार गेंदबाजी का राज खोला है। हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए टेस्ट में 10 विकेट लेकर सुर्खियों में आने वाले मानव सुथार ने बताया कि उनकी सफलता के पीछे 'स्पॉट बॉलिंग' और दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का अहम योगदान है। एक वीडियो में सुथार ने बताया कि वह बचपन में 14-15 साल की उम्र से ही रोजाना 30 से 35 ओवर गेंदबाजी का अभ्यास करते थे। उनका मुख्य फोकस स्पॉट बॉलिंग (एक ही जगह पर लगातार गेंद डालना) पर रहता था। उनका मानना है कि स्पॉट बॉलिंग से ही किसी भी गेंदबाज की सबसे बेस्ट बॉल तैयार होती है। इसके अलावा सुथार ने बताया कि वह बड़े होते हुए रविचंद्रन अश्विन को अपना आदर्श मानते थे। अश्विन की गेंदबाजी और उनकी विविधताओं ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया। गॉल टेस्ट के पहली पारी में सुथार ने 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट अपने नाम किए थे। उनकी इस बॉलिंग की बदौलत भारत ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से करारी शिकस्त दी।

भारत से हार के बाद श्रीलंकाई टीम को ट्रिपल झटका...

दूसरे टेस्ट से 2 स्टार बाहर, एक पर सस्पेंस

नईदिल्ली, एजेंसी। गॉल टेस्ट में श्रीलंकाई टीम को भारत के हाथों 165 रनों की बड़ी हार झेलनी पड़ी थी. अब श्रीलंका को सीरीज बराबर करने के लिए दूसरा टेस्ट जीतना ही होगा. हार या ड्रॉ होने की स्थिति में भारत सीरीज अपने नाम कर लेगा. दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में होना है. कोलंबो टेस्ट से पहले श्रीलंका की मुश्किलें और बढ़ गई हैं. कुसल मेंडिस और दिनेश चांदीमल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं, जबकि पथुम निसंका के खेलने पर भी संशय बना हुआ है. श्रीलंका के हेड कोच गैरी कर्स्टन ने गॉल टेस्ट के बाद खिलाड़ियों की चोट को लेकर अपडेट दिया. उन्होंने साफ किया कि कुसल मेंडिस की हैमस्ट्रिंग की चोट गंभीर है और वह फिलहाल टीम के लिए उपलब्ध नहीं होंगे.गैरी कर्स्टन ने कहा, 'कुसल मेंडिस को हैमस्ट्रिंग की गंभीर चोट लगी है. वह कुछ समय तक उपलब्ध नहीं रहने वाले हैं.' श्रीलंका को सबसे बड़ा झटका दिनेश चांदीमल के रूप में लगा है. चांदीमल को गॉल टेस्ट के दौरान फील्डिंग करते समय गर्दन और कंधे में चोट लगी थी. इसके बाद पसिंदु सूरियाबंडारा को उनके स्थान पर कन्कशन सब्स्टीट्यूट के रूप में उतारा गया था. हालांकि सूरियाबंडारा अपनी पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए थे.

मेजर लीग सॉकर

इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन का मैच 2-2 से हुआ ड्रॉ

चेस्टर, एजेंसी। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन एक्शन में इंटर मियामी सीएफ और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच सुबारू पार्क में खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के लिए कप्तान लियोनेल मेसी और डेनियल पिंटर ने 1-1 गोल किए।

मेजबान फिलाडेल्फिया ने मैच का पहला गोल दागा। इंडियाना वासिलिव ने 11वें मिनट में शानदार गोल करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। मियामी ने 21वें मिनट में गोल करते हुए बराबरी की। मियामी के लिए 21वें मिनट में डेनियल पिंटर ने गोल दागा। यह एमएलएस में पिंटर का पहला गोल था। पिंटर ने फुटबॉल इतिहास के दो बेहतरीन फुटबॉलर्स की मदद से अपने एमएलएस करियर का पहला गोल दागा। ये दो फुटबॉलर मेसी और लुईस सुआरेज थे। मेसी ने बॉक्स के बाईं ओर सुआरेज को गेंद दी, जिन्होंने हेडर से पास को मोड़कर पिंटर को बीच में पहुंचाया, जहां उन्होंने पास से बॉल को गोल पोस्ट में डाल दिया।

डब्ल्यूडब्ल्यूई का रिंग बना मैदान

खिलाड़ियों में हुई जमकर उठा-पटक, लियोनेल मेसी देखते रहे

चेस्टर (अमेरिका), एजेंसी। मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी के मुकाबले में कुछ ऐसा देखने को मिला, जो डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में ही दिखता है। वैसे तो फुटबॉल के मैदान पर खिलाड़ियों के बीच विवाद आम है। कई बार हाथापाई भी

हो जाती है। लेकिन इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच मुकाबले में बात काफी ज्यादा बढ़ गई। यहां खिलाड़ियों के बीच उठा-पटक हो गया। इस मुकाबले के इंजरी टाइम (101वें मिनट) में इंटर मियामी के डिफेंडर ने फिलाडेल्फिया यूनियन के 16 साल के कैवन सुलिवन के खिलाफ बॉक्स के अंदर टैकल किया। इससे वह गिर गए। इंटर मियामी के दूसरे खिलाड़ी इयान फ्रे ने सुलिवन को सिर पर धक्का देने की कोशिश की। इस बीच कैवन सुलिवन ने फ्रे के पैर से हवा में उठाया और जमीन पर पटक दिया। इसके बाद ऐसे लग रहा था जैसे दोनों खिलाड़ी कुश्ती कर रहे हों। इस बीच दोनों टीमों के अन्य खिलाड़ियों ने आकर बीच बचाव किया।

एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप

भारत ने पाकिस्तान का किया गेम ओवर, 5-3 से चटाई धूल

एम्सटेलवीन (नीदरलैंड्स), एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ भारत का 'वर्चस्व' बरकरार है। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में एम्सटेलवीन के वैगनर स्टेडियम में खेले गए पूल डी के मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 5-3 से हराया। भारत ने मुकाबले की शुरुआत दमदार अंदाज में की और गेंद पर कंट्रोल बनाया। मैच के चौथे मिनट में ही भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका भरपूर फायदा उठाते हुए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। 1-0 की बढ़त को भारत ने जल्द ही दोगुना कर दिया। मैच के 11वें मिनट में अभिषेक से मिले शानदार पास को मंदीप सिंह ने गोल में तब्दील किया। पहले क्वार्टर में 2-0 की बढ़त के साथ भारतीय टीम का पूरी तरह से दबदबा रहा। दूसरे क्वार्टर का आगाज भी भारतीय टीम ने शानदार तरीके से किया। मैच के 20वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए कप्तान हरमनप्रीत ने भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान ने मैच में कुछ हद तक वापसी करने की कोशिश की। मैच के 21वें मिनट में पाकिस्तान की तरफ से हन्नान शाहिद ने पहला गोल दागा। इसके ठीक दो मिनट बाद ही अभिषेक ने एक और शानदार गोल दागा और भारत की बढ़त को 4-1 कर दिया। मैच के 24वें मिनट में सुफियान खान ने पाकिस्तान की ओर से दूसरा गोल किया और स्कोर को 4-2 कर दिया। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत के सुखजीत सिंह को ग्रीन कार्ड मिला। मैच के 34वें मिनट मे भारत ने अपनी बढ़त को 5-2 कर दिया। भारत के लिए पांचवां गोल हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर दागा। चौथे और अंतिम क्वार्टर की शुरुआत पाकिस्तान के लिए अच्छी रही। मैच के 45वें मिनट में पाकिस्तान के हन्नान शाहिद ने गोल करते हुए स्कोर को 5-3 कर दिया। इसके बाद भारत और पाकिस्तान की तरफ से गोल करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता हाथ नहीं लगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को गोल करने का कोई और मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने अगले राउंड में अपनी जगह बना ली है। वहीं, हार के साथ पाकिस्तान का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है।

पाकिस्तानी बल्लेबाज ने बना दिया शर्मनाक रिकॉर्ड... 43 साल में पहली बार हुआ ऐसा

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जा रहा है. इस मुकाबले में पाकिस्तान बल्लेबाजों का प्रदर्शन पहली पारी में निराशाजनक रहा और पूरी टीम 171 रनों पर सिमट गई. सलामी बल्लेबाज अजान अवैस ने तो पाकिस्तानी फैन्स की उम्मीदों पर बिल्कुल भी खरे नहीं उतर पाए. मुकाबले की पहली ही गेंद पर ओली रॉबिन्सन ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया. ओली रॉबिन्सन ने मैच की पहली गेंद वॉबल सीम के साथ फेंकी, जो बाएं हाथ के बल्लेबाज अजान अवैस के लिए अंदर की ओर आई. अजान गेंद की लाइन को सही तरीके से पढ़ नहीं सके और गेंद सीधे उनके पैड से जा टकराई. इंग्लैंड की जोरदार अपील के बाद अंपायर क्रिस गैफनी ने उन्हें आउट करार दिया. अजान अवैस ने अंपायर के फैसले को चुनौती देते हुए तुरंत डीआरएस लिया. रिप्ले में साफ हुआ कि गेंद उनके बल्ले से नहीं लगी थी. इसके बाद बॉल ट्रैकिंग में इम्पैक्ट से लेकर विकेट तक तीनों रेड दिखाई दिए. गेंद मिडिल स्टम्प के ऊपरी हिस्से से टकरा रही थी और तीसरे अंपायर ने क्रिस गैफनी के फैसले को बरकरार रखा.

मोहसिन खान के क्लब में एंट्री

इस तरह अजान अवैस को टेस्ट सीरीज की अपनी पहली गेंद पर ही पवेलियन लौटना पड़ा और एक अनचाही लिस्ट में शामिल हो गए. अजान पाकिस्तान के सिर्फ दूसरे ओपनर हैं, जिन्हें किसी टेस्ट की पहली गेंद पर आउट होना पड़ा. इससे पहले 1983 में मोहसिन खान भारत के खिलाफ जालंधर टेस्ट में मैच की पहली गेंद पर आउट हुए थे. यानी पाकिस्तान के किसी ओपनर के साथ 43 साल में यह घटना दोहराई गई.अजान अवैस ने जहां शर्मनाक रिकॉर्ड बनाया, वहीं ओली रॉबिन्सन ने एक खास उपलब्धि हासिल की. वह इंग्लैंड की धरती पर आयोजित किसी टेस्ट मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले केवल चौथे इंग्लिश गेंदबाज बन गए. इस कारनामे की शुरुआत मौरिस टेट ने 1926 में की थी. उन्होंने लीड्स में ऑस्ट्रेलिया के वॉरेन बार्ड्सले को पहली गेंद पर आउट किया था. इसके 48 साल बाद ज्योफ अर्नोल्ड ने 1974 में बर्मिंघम टेस्ट की पहली गेंद पर भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर को पवेलियन भेजा था. 2007 में रयान साइडबॉटम ने वेस्टइंडीज के डेरेन गंगा को चेस्टर-ले-स्ट्रीट टेस्ट की पहली गेंद पर आउट किया था.

कहीं यह संकेत ब्रेन ट्यूमर के तो नहीं...

कई बार धन और समय की बर्बादी के बावजूद ज्यादातर ब्रेन कैंसर रोगियों का इलाज नहीं हो पाता है। अब 'साइट्रोन थैरेपी' से कैंसर रोगी का आसानी से और कम समय में सुरक्षित उपचार संभव है। इस थैरेपी से इलाज कराने वाले मरीज बेहतर जिंदगी जी रहे हैं। अमरीका के सेटिएगो शहर में रहने वाला जैकब पास्टल जिनकी उम्र 18 साल की है जिसे, फिल्में देखना, गाना सुनना और दौस्तों के साथ समय बिताना और सबसे ज्यादा गिटार बजाना पसंद है, मगर अब वह गिटार नहीं बजा सकता है क्योंकि उसकी बाएं हाथ की उंगलियों ने उसके दिमाग का आदेश मानना बंद कर दिया है क्योंकि उसे ब्रेन कैंसर है। जैक के पिता डेनियल के अनुसार पहले मैं काफी डरा और घबराया हुआ था कि आखिर मेरे बेटे को ही ब्रेन ट्यूमर क्यों हुआ। डेनियल बताते हैं कि अमेरिका के डाक्टर्स ने जैकब के ब्रेन ट्यूमर को लाइलाज बताया था और कहा था कि अब मौत का इंतजार करने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। हर पंद्रह दिन बाद जब जैक को कीमोथैरेपी दी जाती तो उसे देख कर मेरी पूरी फैमिली खुद को बहुत मजबूर पाती थी। हम उसका दु:ख नहीं देख पा रहे थे पर कोई रास्ता भी नहीं था। देश के जाने-माने चिकित्सक डा. एस. एस. सिबिया कहते हैं कि ब्रेन ट्यूमर के सफल उपचार के लिए उसकी यथा शीघ्र पहचाव आवश्यक होता है इसलिए मरीज को ब्रेन ट्यूमर होने का तनिक भी शक होने पर चिकित्सक के पास जाने में विलंब नहीं करना चाहिए।

लक्षण: आमतौर पर लोग लगातार या अक्सर होने वाले सिर दर्द को गंभीरता से नहीं लेते हैं, लेकिन यह दिमाग के किसी हिस्से में पनप रहे टयूमर का संकेत भी हो सकता है, हालांकि टयूमर शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है लेकिन मस्तिष्क में होने वाले टयूमर ज्यादा खतरनाक होते हैं। अगर सिर में अक्सर दर्द हो, सिर दर्द के साथ उल्टी हो, किसी अंग में कमजोरी महसूस हो, आंखों की रौशनी घट रही हो तथा दिमागी दौरे पड़ते हों तो ये लक्षण ब्रेन टयूमर के हो सकते हैं और ऐसी स्थिति में जांच एवं इलाज में विलंब करना मौत को बुलावा देना साबित हो सकता है। ब्रेन टयूमर किसी भी व्यक्ति को किसी भी उम्र में हो सकता है। जन्म के तुरंत बाद किसी बच्चे से लेकर मौत की कगार पर पहुंचे 80 साल के किसी बूढ़े व्यक्ति को भी ब्रेन टयूमर हो सकता है। डा. सीबिया बताते हैं कि अगर 25 से 30 साल से अधिक उम्र के स्वस्थ व्यक्ति को जिंदगी में पहली बार दौरा पड़ा हो तो यह ब्रेन टयूमर का संकेत हो सकता है। इसके अलावा किसी भी अंग का सुन्न हो जाने, चीटियां चलने जैसा महसूस होने या क्षणिक समय के लिये ताकत कम हो जाने जैसे लक्षण भी मस्तिष्क या स्पाइन के टयूमर के संकेत हो सकते हैं।

हेल्थ प्लस

कुछ छोटी पर काम की बातें

- भूख लगने पर ही भोजन करें।
- स्वस्थ रहने हेतु अपने खान-पान पर नियंत्रण रखना अतिआवश्यक है।
- स्वाद में कभी लोभी न बनें। अधिक भोजन अपच और अजीर्ण को जन्म देता है।
- भोजन खाने से पूर्व थोड़े अदरक पर थोड़े सेंधा नमक बुरक कर खाने से भोजन आसानी से हजम होता है। इसका सेवन 3 सप्ताह से अधिक न करें।
- घी, मक्खन, तेज मसाले, मलाईयुक्त दूध का सेवन हृदय रोगियों के लिए अति हानिकारक होता है।
- रात्रि का भोजन रात्रि 8 बजे तक अवश्य कर लेना चाहिए।
- सुबह जल्दी उठना, शौच समय पर जाना, स्नान करना, समय पर भोजन करना और समय पर सोना अच्छे स्वास्थ्य के मूल मंत्र हैं।
- बिना विचार किए न तो बोलें, न ही कोई काम करें। ऐसा करने से आप श्रेष्ठ नहीं रहेंगे।
- ताजे जल से चेहरा, आंखें और स्नान करना लाभप्रद होता है।
- हाथ धोए बिना भोजन न करें। जल पीते समय जल देखकर पीएं।
- खाते समय और सोते समय मन को एकाग्र रखें। रोग को साधारण समझ कर न टालें।
- नहाते समय पहले पैरों पर, फिर ऊपर से शरीर पर पानी डालें।

योग क्रियाओं द्वारा बढ़ाएं नेत्र ज्योति

हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है नेत्र। चेहरे के सौंदर्य में भी आंखों का बहुत बड़ा योगदान है। व्यक्ति के व्यक्तित्व का आकलन भी नेत्र से ही किया जाता है।

नेत्र ज्योति कम होने के कारण

विटामिन ए की कमी, तेज रौशनी, तेज धूप, धूल कण से भरा वातावरण, ज्यादा पढ़ना-लिखना, तनाव में जीना, नींद की कमी, बालों में खिंचाव का उपयोग करना, अंग्रेजी दवा का ज्यादा सेवन इत्यादि।

नेत्र चालन

दोनों आंखों को ऊपर उठाकर भौहों के मध्य को फिर नीचे लाकर नासाग्र को देखें। बाएं कान की तरफ देखें तत्पश्चात दाएं कान की तरफ देखें तत्पश्चात दाएं कान की ओर फिर चारों ओर दक्षिणावर्त और वामावर्त घुमाएं। ये सभी क्रियाएं दस-दस बार करें। इसके बाद हाथों को 21 बार रगड़कर दो मिनट तक आंखों पर रखें।

जल नेति एवं सूत्र नेति

नियमित रूप से जल व सूत्र नेति करें। इसके बाद खड़े होकर झुककर कपालभाति करें। फिर बैठकर अलग-अलग नथुने से 25-25 बार फिर दोनों नथुनों से एक साथ 200 बार कपालभाति करें नेत्र की ज्योति बढ़ जायेगी। एक से तीन मास के भीतर चश्मा उतर जाएगा।

प्राण मुद्रा

कनिष्ठि व अनामिका के साथ अंगूठे को लगाएं? यह प्राण मुद्रा है। इसका नित्य 15 मिनट अभ्यास करें। इसके अलावा अन्य नुस्खे भी बड़े प्रभावशाली हैं-

नेत्र प्रक्षालन

मुंह में पानी भरकर 20 बार दोनों आंखों पर पानी के छींटे मारकर धोएं। यह क्रिया सुबह, दोपहर और शाम तीन बार करें। आंखों की ज्योति बढ़ जाएगी।

- पैर के दोनों अंगूठों पर सरसों का तेल डालें।
- ऊँ घृणि: सूर्याय नम: मंत्र के साथ तांबे के लोटे से नित्य सूर्य को अर्घ्य दें, सूर्य की रौशनी की तरह आंखों की रौशनी तेज हो जायगी।
- आज्ञा चक्र पर नीले रंग का ध्यान करते हुए ऊँ का उच्चारण नित्य दस मिनट करें।
- हमारी आंखों की रौशनी बहुत तेज है, ऐसी भावना हर समय करते रहें ज्योति बढ़ जाएगी।

बढ़ सकती है घुटनो की उम्र

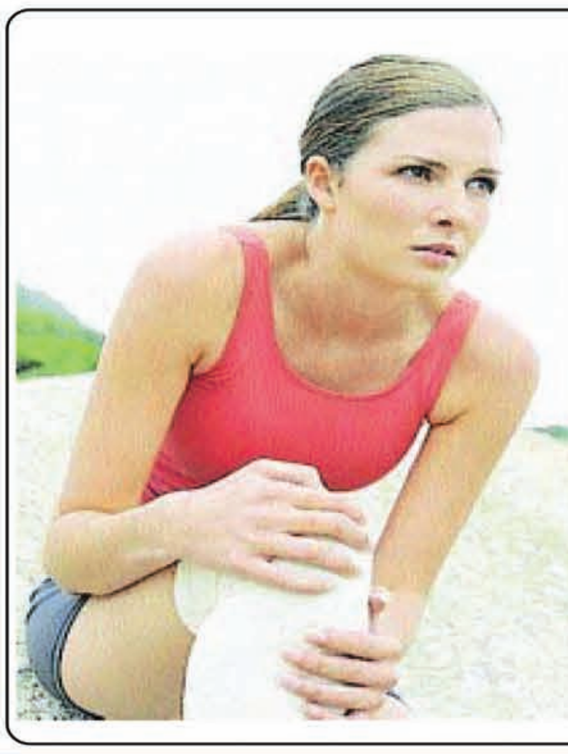

घुटनों के बदलने की शल्य चिकित्सा पर अब तक चिकित्सा-साहित्य में बहुत कुछ लिखा जा चुका है लेकिन इन सबके बावजूद अभी भी लोग इस पद्धति से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं से पूरी तरह वाकिफ नहीं हैं और बहुत ही कम लोग ऐसे हैं जो पार्शियल नी रिप्लेसमेंट (आंशिक) और यूनिकपार्टमेंटल भी रिप्लेसमेंट के बारे में पूरी तरह से जानते हैं। मुंबई स्थित पी डी हिंदुजा अस्पताल के आर्थोपेडिक सर्जन डा. संजय अग्रवाल के अनुसार यह पद्धति इस लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इसमें जोड़ों के आंशिक बदलाव के माध्यम से पूरे घुटने के क्षतिग्रस्त होने की संभावना को धीरे-धीरे कम किया जा रहा है। पार्शियल नी रिप्लेसमेंट (आंशिक) और यूनिकपार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट न केवल दर्द भरे घुटनों के दर्द से राहत पहुंचाता है बल्कि जोड़ों को भी एक नया जीवन प्रदान करता है जिससे मरीज के जीवन की गुणवत्ता बढ़ जाती है।

दरअसल होता यूं है कि लगभग 95 प्रतिशत रोगियों के मामले में घुटने का अंदरूनी भाग बाहरी भाग की तुलना में अधिक तेजी से क्षतिग्रस्त होता है। परिणामस्वरूप घुटनों के जोड़ों पर पड़ने वाला दबाव असंतुलित हो जाता है लेकिन यदि इस क्षति को समय रहते ही रोक लिया जाए और घुटने के अंदरूनी भाग को बदल दिया जाए तो बाहरी भाग पर पड़ने वाला दबाव कम हो जाएगा जिससे घुटनों के क्षतिग्रस्त होने की प्रक्रिया धीमी हो जाएगी। इस कारण घुटने जल्दी खराब नहीं होंगे और उनका कार्यकाल बढ़ जाएगा।

डा. संजय अग्रवाल के अनुसार दर्द को कम करने और चलने फिरने की क्षमता को बढ़ाने के अलावा यह सर्जरी घुटनों के जोड़ों पर पड़ने वाले दबाव का संतुलन बनाए रखती है। साथ ही इस शल्य चिकित्सा में केवल 2.5 से 3 इंच का ही चीरा लगता है जबकि टोटल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी में 7 से 8 इंच का चीरा लगाया जाता है। फलस्वरूप रोगी के शरीर से रक्त के व्यर्थ बहाव को नियंत्रित किया जा सकता है। रोगी को अस्पताल से 4 या 5 दिनों के भीतर ही छुट्टी मिल जाती है और थोड़े ही दिनों में रोगी अपनी सामान्य दिनचर्या के मुताबिक काम करने लगता है। डा. अग्रवाल बताते हैं कि इस पद्धति में टोटल रिप्लेसमेंट सर्जरी की तुलना में आधा ही खर्चा आता है। नी रिप्लेसमेंट चिकित्सा अक्सर 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए की जाती है जो कि आर्थराइटिस की समस्या से ग्रस्त होते हैं।

पार्शियल रिप्लेसमेंट सर्जरी कराने के बाद चार सप्ताह के भीतर ही मरीज अपनी सामान्य दिनचर्या से जुड़ी गतिविधियों को पूरा करने में समर्थ हो जाता है।

बेबी मसाज क्यों जरूरी है

यूंतो बच्चे के विकास में कई बातें मायने रखती हैं, जैसे-सही लालन-पालन, खान-पान, वातावरण आदि, लेकिन इन सबमें मालिश की अपनी अहम् भूमिका है। इसके शारीरिक और मानसिक रूप से कई फायदे हैं। आइए, इसके बारे में संक्षेप में जानते हैं।

- मसाज से बच्चे के शरीरिक-मानसिक विकास में मदद मिलती है।
- मां और बच्चे के बीच घनिष्ठता और विश्वास निर्मित होता है।
- मालिश से शिशुकाल के बाद भी मां-बच्चे के बीच लंबे समय तक बातचीत करने के लिए नींव बनती है।
- एकाग्रता, प्रेरणा और शारीरिक सम्पर्क का विकास होता है।
- मां बच्चे के बीच का बंधन मजबूत होता है।
- पेशियों के तनाव को दूर करता है।
- मालिश आपमें यह आत्मविश्वास पैदा करता है कि आप अपने बच्चे को संभालने में समर्थ हैं।
- बच्चे को अधिक देर तक सुकून की नींद मिलती हैं।
- बच्चे की स्नायु तंत्रिका की स्थिरता को बढ़ाने के साथ-साथ बीमारियों की संभावताओं को भी रोकता है।
- आपके और बच्चे के लिए मनोरंजन के कई क्षण जुटाता है।
- कामकाजी अभिभावकों को उनके बच्चे के विकास में पूरी तरह से शामिल करता है।
- जब बच्चा जगा रहता है तो अधिक सजग और मिलनसार रहता है।
- जन्म के बाद के तनाव को कम करने में मदद मिलती है।
- एक समय के बाद जन्म से जुड़ी कई शारीरिक और मानसिक चोट या घाव आदि को दूर करने में मदद मिल सकती है।
- बच्चे के मूड, जरूरत, इच्छा को समझने में मदद मिलती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु (ये यो भा भी भू) — कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 2445

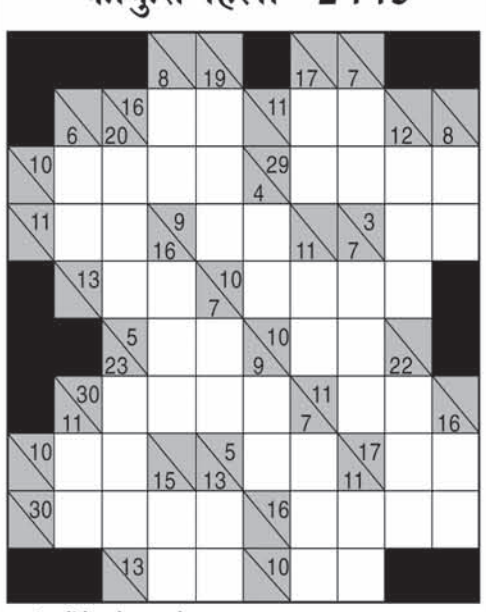

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

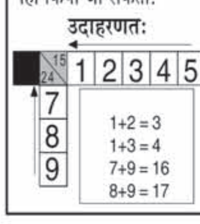

काकुरो - 2444 का हल

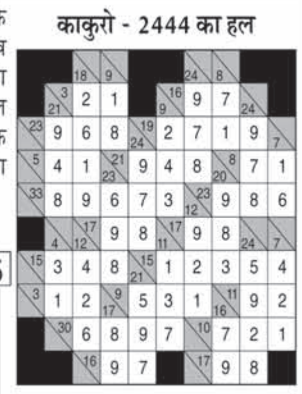

लॉफिंग ज़ोन

एक प्रेमी ने सोचा कि प्रेमिका से विवाह का प्रस्ताव नए अंदाज में किया जाए।

एक दिन प्रेमिका से मुलाकात होने पर उसने कहा- प्रिये! मैं स्वयं को तुम्हें भेंट करना चाहता हूँ।

प्रेमिका ने बुरा सा मुँह बनाकर कहा- मुझे घटिया तोहफे लेने की आदत नहीं हैं।

□ □ □

वकील ने खूबसूरत युवती से पूछा- परसों रात तुम कहाँ थी?

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्त्राँ गई थी।

वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात?

युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ।

वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है?

दूसरा वकील चिल्लाया- ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

□ □ □

पति, पत्नी से- कल रात मैंने एक बहुत बुरा सपना देखा। मैंने देखा कि मैं सुंदर लड़कियों के झुंड में मौजूद हूँ।

पत्नी- तो यह सपना बुरा कैसे हुआ?

पति बोला- क्योंकि सपने में मैं खुद भी तो एक लड़की ही था।

फिल्म वर्ग पहेली- 2445

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2444

सूडोकु -2445

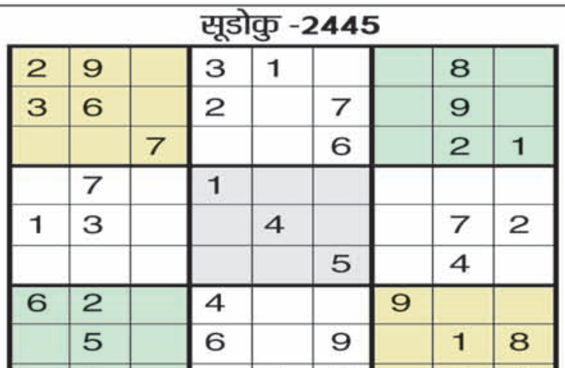

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2444 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 2445

बाएँ से दाएँ

1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -2444 का हल

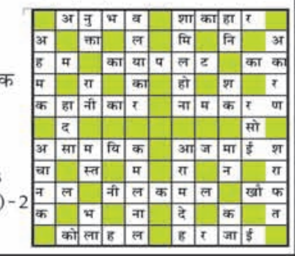

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी